भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 64 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 सितंबर 2025 शनिवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

जगतप्रकाश नड्डा बिहार चुनाव तक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे!

संकेत ऐसे ही हैं कि मोदी ने नड्डा को बिहार चुनाव तक बनाए रखने के लिए आरएसएस को मना लिया है। बिहार के चुनौती भरे चुनाव सिर पर देखते हुए एक्सटेंशन पर चल रहे नड्डा ही कमान संभालते रहेंगे। भाजपा यदि जुलाई या अगस्त तक उन्हें बदल देती तो ठीक था, लेकिन अंदरखानों की माने तो सितंबर में नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना बड़ा जोखिम भरा काम है। यह तय है कि सितंबर के आखिरी हफ्ते या अक्टूबर के शुरू होते ही बिहार में चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यानि 23 नवंबर तक नई सरकार के गठन के लिए नवंबर के पहले हफ्ते तक निर्वाचन आयोग को मतदान का काम पूरा कराना होगा। गौरतलब है कि जेपी नड्डा का कार्यकाल लोकसभा 2024 के चुनाव के मद्देनजर पार्टी ने अपने विधान के तहत विशेष अधिवेशन करके बढ़ाया था। लोकसभा चुनाव के बाद जब तीसरी बार एनडीए की सरकार सत्ता में आ गई तो नड्डा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भी बन गए। इसके बाद चर्चा तेज हुई कि पार्टी अब नड्डा की जगह नया अध्यक्ष बनाएगी लेकिन हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा के चुनाव आ गए। नड्डा लोकसभा चुनाव के दौरान तब सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने कह दिया था कि भाजपा को अब चुनाव जीतने के लिए संघ (आरएसएस) की मदद की दरकार नहीं है। यह बयान संघ को रास नहीं आया था। संघ ने लोकसभा चुनाव के दौरान उतनी सक्रियता से काम नहीं किया जो उसने 2014 और 2018 के लोकसभा चुनावों में दिखाई थी। भाजपा की सीटों का आंकड़ा 303 से गिरकर 240 सीटों पर आ गया। यानि खुद के बूते पर दस साल सरकार में रही भाजपा साफ बहुमत के आंकड़े से पिछड़ गई। हालांकि भाजपा की सीटों के घटने के लिए कुछ अन्य भी कारण थे। इनमे संविधान में बदलाव और आरक्षण से जुड़े विवादित बयानों, पूर्व विवादित केंद्रीय मंत्री ब्रजभूषण सिंह को अंतर्राष्ट्रीय महिला पहलवानों के आरोपों और धरने के बावजूद मंत्री पद पर बनाए रखना मुख्य थे। राहुल गांधी ने भाजपा पर संविधान खत्म करने तथा आरक्षण का जो दांव खेला उसने भी भाजपा को तगड़ा झटका दिया। भाजपा तब राहुल गांधी के इस पैंतरे की गंभीरता को समय रहते नहीं समझ पाई और न ही उसके बारे में स्थिति साफ की। बहरहाल, सीटें घटने के बाद भाजपा के आला नेताओं को रूठे संघ को मनाने के लिए भारी मशक्कत करना पड़ी। अमित शाह ने इसके लिए नागपुर से लेकर दिल्ली के झंडेवालान स्थित आरएसएस के दफ्तरों के चक्कर लगाए। इसके बाद संघ का गुस्सा शांत हुआ। हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के चुनाव सिर पर होने के चलते उसे मना लिया कि नड्डा को इन चुनावों तक अध्यक्ष बनाकर रखा जाए। हरियाणा तो किसी तरह भाजपा जीत गई लेकिन संघ की नाराजगी दूर करने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 30 मार्च को लंबे अरसे के बाद नागपुर स्थित संघ मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद संघ ने महाराष्ट्र और दिल्ली के चुनावों में पूरी तन्मयता से काम किया जिसके चलते भाजपा-शिंदे-अजीत पवार के गठजोड़ को बंपर जीत हासिल हो सकी। भाजपा ने इस मिथक को भी तोड़ा कि संविधान को खत्म करने तथा आरक्षण से छेड़छाड़ करने का राहुल गांधी का पैंतरा दुष्प्रचार मात्र था।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

बिहार में चेहरा मोदी का पर नड्डा भी जरूरी

दिल्ली चुनाव के बाद नए अध्यक्ष को लेकर शिवराज सिंह चौहान, भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान से लेकर डॉ रमन सिंह के नाम पर चले लेकिन नए अध्यक्ष का मसला विभिन्न कारणों से टलता रहा और केंद्रीय मंत्री के साथ अध्यक्ष पद पर नड्डा बने रहे। उनका विकल्प चुनने में देरी के चलते हालात यह बने कि बिहार के चुनाव सिर पर आ गए। भाजपा जानती है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार की सियासत इतनी पेचीदा है कि वहां के जातिगत समीकरणों को जल्द समझ पाना नए अध्यक्ष के लिए बेहद कठिन होगा। इसका नमूना भाजपा पहले ही देख चुकी है। 2017 में जब यूपी में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री और केशव मोर्य के उपमुख्यमंत्री बनने से खाली हुई गोरखपुर और फूलपुर लोकसभा सीट पर 2018 में उपचुनाव भाजपा हार गई। यही नहीं 2022 में जब यूपी विधानसभा के चुनाव के दौरान सिराथू विधानसभा सीट पर भी केशव मौर्य सपा की पल्लवी पटैल के सामने हार गए। विधान परिषद के रास्ते वे दोबारा उप मुख्यमंत्री बन सके। इसीलिए, भाजपा बिहार चुनाव के पहले ज्यादा सतर्क है। नड्डा को बिहार चुनाव तक बनाए रखने के पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि वे हिमाचल में पैदा होने के बावजूद बिहार की सियासी नब्ज को पहचानते हैं। नड्डा की शिक्षा- दीक्षा बिहार में हुई। विहिप से लेकर भाजयुमो तक की राजनीति का सफरनामा बिहार में ही रहा। वहां के विभिन्न इलाकों की बोलियों से लेकर सियासी समीकरणों और उनमें होने वाले बदलावों पर भी उनकी गहरी नजर है। इसमें कोई शक नहीं कि बिहार चुनाव एनडीए मोदी के चेहरे पर ही लड़ेगी लेकिन संगठक के तौर पर नड्डा भी जरूरी हैं।

बाढ़ प्रभावित किसानों को सिंगल क्लिक से मिले राहत के 20 करोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्राकृतिक आपदा और बाढ़ से प्रभावित 17500 किसानों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सिंगल क्लिक से 20 करोड़ रुपए की राहत राशि जारी की।

इस दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित किसानों से बात की और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक आपदा आई है, यह दुखद है। उन्होंने कहा कि सरकार हर समय किसानों के साथ खड़ी है। फसल की भरपाई नहीं, हम किसानों का दर्द बांटने का प्रयास कर रहे हैं। जितना बन सका, उतना सहयोग किया है और आगे भी करेंगे। सर्वे से ज्ञात हुआ है कि 12 हजार हेक्टेयर की फसल खराब हुई है। किसान अपना दिल हल्का ना करें, सरकार उसके साथ है।

मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छतरपुर के रमेश, रायसेन के अरविंद सिंह समेत अन्य जिलों के किसान हितग्राहियों से संवाद स्थापित करते हुए खेती को लेकर उनसे जानकारी ली और उनका हौसला बढ़ाया।

जीएसटी सुधार से किसानों को मदद : शिवराज

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जीएसटी काउंसिल ने जो नए बदलाव किए हैं उससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। कृषि उपकरणों को 18 प्रतिशत वाले जीएसटी स्लैब से 5 प्रतिशत में बदलने से उपकरणों की खरीदी आसान होगी। उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य खेती में उत्पादन लागत को कम करना और उत्पादन बढ़ाना है। देश के किसानों को जीएसटी सुधारों से बड़ा लाभ मिलेगा। एनडीए सरकार आम आदमी के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

प्रदेश के प्रशासनिक अमले में बड़े फेरबदल की तैयारी

खाद बांटने में फेल कलेक्टर हटेंगे उच्च स्तर पर भी बदलाव के संकेत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में बड़े प्राशसनिक फेरबदल की तैयारी की जा रही है। खबर है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कई जिला कलेक्टर्स की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। वे रीवा में किसानों पर किए गए लाठीचार्ज को लेकर इसका इजहार कर चुके हैं। इसके साथ ही उन जिलों की गहन समीक्षा की गई है जहाँ खाद को लेकर किसान सबसे ज्यादा परेशानी झेल रहे हैं। उनका साफ़ मानना है जो कलेक्टर खाद वितरण नहीं करवा पा रहे हैं वे जिला नहीं चला पा रहे हैं। बताया जा रहा है कि आधा दर्जन से ज्यादा जिलों की कमान बदली जा सकती है। इसके अलावा फेरबदल के दायरे में कुछ उच्च पदस्थ अफसर भी आएंगे जिनकी सीधे मुख्यमंत्री के स्तर पर निष्ठा सवालों के घेरे में है।

मुख्यमंत्री किसानों की समस्या को लेकर एक्शन में नजर आ रहे हैं। खाद वितरण में फिसड्डी साबित हो रहे जिलों के कलेक्टर उनके टारगेट पर हैं। रीवा में लाइन में लगे और नारेबाजी कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज ने उन्हें विचलित किया है। उन्होंने बीते रोज आला अधिकारियों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर कलेक्टरों को फटकार लगा दी। उन्होंने खुलकर कहा कि जो कलेक्टर सही तरीके से खाद वितरण नहीं करवा पा रहे और किसानों का गुस्सा शांत नहीं कर पा रहे और सरकार की किरकिरी करा रहे हैं, ऐसे कलेक्टर को हटाने पर भी विचार किया जा सकता है।

गौरतलब है कि मंगलवार को खाद वितरण के दौरान रीवा में पुलिस ने हटाने के लिए लाठी चार्ज कर दिया था। इसके अलावा खाद वितरण के मामले में सतना जिला भी फिसड्डी साबित हुआ है। सीएम ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि वे खाद के रैक आने के 3 दिन पहले से किसानों तक विभिन्न माध्यमों से सूचना पहुंचाएं। ताकि एनवक्त पर किसानों को परेशानी न हो। वहीं स्टाक की जानकारी जनप्रतिनिधियों से भी साझा की जाए ताकि किसान भी खाद के स्टाक की सही जानकारी से अवगत रहे।

उनके खास या इनके...

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री को जानकारी मिली है कि उनकी सरकार में उच्च स्तर पर मलाईदार विभागों की कमान संभाल रहे कुछ अफसर अभी भी पिछली सरकार में ताकतवर रहे वर्तमान और रिटायर्ड आला अधिकारियों के नजदीक हैं। अनेक अवसरों पर वे मुख्यमंत्री की कार्यप्रणाली की आलोचना भी करते हैं। एक अफसर ऐसे भी हैं जो कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री कमलनाथ के घोषित रूप से खास माने जाते रहे हैं। अभी भी उनके पास न सिर्फ महत्वपूर्ण विभाग है बल्कि कई विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं।

बिहार के बाद पूरे देश में एक साथ एसआईआर की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर को लेकर मचे विवाद के बीच चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला ले सकता है। इसको लेकर 10 सितंबर को दिल्ली में चुनाव आयोग की मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ बड़ी बैठक होगी। एसआईआर में भारतीय नागरिकों को शामिल करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेजों का भी चुनाव आयोग ने सुझाव मांगा है। पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए मौजूदा मतदाताओं की संख्या, पिछली स्क्रूक्की तिथि व डेटा, डिजिटाइजेशन की स्थिति समेत कुल 10 बिंदुओं पर जानकारी मांगी गई है। मतदान केंद्रों का युक्तिकरण और कुल केंद्रों की संख्या पर रिपोर्ट देनी होगी। अधिकारियों और बीएलओ की नियुक्ति व प्रशिक्षण की स्थिति पर भी प्रजेंटेशन में फोकस होगा। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया जारी है और यह 30 सितंबर तक पूरी होगी। आयोग ने आधिकारिक तौर पर देशभर में इसे लागू करने की आधिकारिक तारीख अभी तय नहीं की है, लेकिन सूत्रों से संकेत मिले हैं कि इसे पूरे देश लागू किया जाएगा। अंतिम फैसला 10 सितंबर की बैठक के बाद लिया जाएगा।

बिहार में जारी है एसआईआर : 24 जून को बिहार से जुड़े एसआईआर के अपने आदेश में ही चुनाव आयोग ने पूरे देश में इसे लागू करने का जिक्र किया था। चुनाव आयोग ने बिहार से जुड़े आदेश में लिखा था कि आयोग को यह अधिकार प्राप्त है कि वह निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कराने का निर्देश दे सके, जिसमें मतदाता सूचियों की नई तैयारी भी शामिल है। अतः आयोग ने अब यह निर्णय लिया है कि पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रारंभ किया जाए, ताकि निर्वाचन नामावलियों की अखंडता की संवैधानिक जिम्मेदारी को पूरा किया जा सके। हालांकि, बिहार राज्य में विधान सभा के आम चुनाव इस वर्ष के अंतिम महीनों में प्रस्तावित हैं।

ईद-मिलाद-उन-नबी पर लगे थे 'सिर तन से जुदा' के नारे... पुलिस ने किया केस दर्ज

सागर, एजेंसी

ईद-मिलाद-उन-नबी के मौके पर सागर में कांग्रेस नेता के नेतृत्व में निकाली गए जुलूस में सिर तन से जुदा... जैसे भड़काऊ नारे लगाकर शहर की फिजा को बिगाड़ने का षड्यंत्र करने के आरोप में पुलिस ने तीन कांग्रेस नेताओं सहित अन्य लोगों पर केस दर्ज किया है। मामले में पुलिस स्मार्ट सिटी के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि अन्य आरोपियों की पहचान भी हो सके। कोतवाली थाना पुलिस ने सिर तन से जुदा जैसे भड़काऊ नारे लगाकर शहर में धार्मिक माहौल खराब करने का प्रयास करने के आरोप में कांग्रेस नेता पम्मा कसाई, फिरदौश कुरैशी और शाहबाज कुरैशी सहित अन्य के खिलाफ धारा 353,351(2), 299,196 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले में तीनबत्ती इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। वहीं वायरल वीडियो को भी आधार बनाया गया है। इसमें नारेबाजी करने वाले आसामाजिक तत्वों की पहचान कर इनके नाम भी एफआईआर में जोड़े जाएंगे। रोज सागर में मुस्लिम समाज से आने वाले नेता पम्मा कसाई, फिरदौश कुरैशी और शाहबाज के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया था। इसमें डीजे के पीछे दुपहिया वाहनों पर अलग-अलग झंडे लिए युवक शामिल थे। इस दौरान जुलूस तीनबत्ती पर प्रसिद्ध हनुमान मंदिर के सामने रोककर खूब नारेबाजी की गई थी।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

पाक में स्थानीय मोबाइल फोन असेंबली में पिछले वर्ष की तुलना में हुई है वृद्धि

ऐपल, सैमसंग, ओपो, वीवो और शाओमी जैसे ब्रांड जेब के बाहर की बात

किस कंपनी के फोन का इस्तेमाल करते हैं पाकिस्तानी... आपने नाम भी नहीं सुना होगा

नई दिल्ली /इस्मेमाबाद, एजेंसी।

भारत के लोगों के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले स्मार्टफोन वीवो, सैमसंग, ओपो, शाओमी, ऐपल जैसे ब्रैंड्स के हैं। तमाम रिपोर्ट भी इसकी तस्दीक करती हैं। लेकिन, पाकिस्तान एक अलग राह पर चल रहा है। वहां जिस मोबाइल कंपनी का बोलबाला है, उसका नाम भी आपने नहीं सुना होगा। यह एक ऐसी कंपनी है, जिसने सभी बड़े चाइनीज ब्रैंड्स को पीछे छोड़ा हुआ है। पाकिस्तान के टॉप 10 स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरर्स में ऐपल तो शामिल नहीं है। यही वजह है की वहां आईफोन की कीमत काफी ज्यादा है। वनप्लस भी पाकिस्तान में टॉप 10 में नहीं आती। जो ब्रैंड आते हैं, उनके नाम थोड़ा चौंकाते हैं।

पाकिस्तान में मोबाइल कि टॉप कंपनी : पाक दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) ने हाल ही में अपने लेटेस्ट आंकड़े जारी किए हैं। इसके अनुसार, पाकिस्तान में स्थानीय मोबाइल फोन असेंबली में पिछले वर्ष की तुलना में काफी वृद्धि हुई है। इसी रिपोर्ट में जुलाई 2025 तक पाकिस्तान में असेंबल होने वाले टॉप 10 मोबाइल ब्रांड की भी जानकारी दी गई है। लिस्ट में वीगो टेल सबसे ऊपर है।

सैमसंग छठे नंबर पर, आईफोन लिस्ट से बाहर

इस रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में वीगो टेल कंपनी सबसे ज्यादा फोन बनाती है। इसने जुलाई 2025 में 2.12 मिलियन यूनिट बनाई हैं। वहीं, इनफीनी का नाम लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। इसने 2.01 मिलियन यूनिट बनाई हैं। 1.53 मिलियन यूनिट्स बनाकर आईटेल लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। वीवो 1.38 मिलियन के साथ चौथे नंबर, शाओमी 1.04 मिलियन के साथ पांचवें, सैमसंग 0.93 मिलियन के साथ छठे के साथ सातवें नंबर पर है। लिस्ट में आठवें नंबर पर क्यू मोबाइल है, जिसने 0.72 मिलियन यूनिट्स बनाई थीं। नौवे नंबर पर जी फाइव है। इसने 0.7 मिलियन यूनिट बनाईं। लास्ट यानी 10वे नंबर पर नोकिया है।

जेपी व हमीदिया अस्पताल के शिशु वार्ड हुए फुल

संक्रमण: बच्चों पर एक साथ तीन-तीन वायरस का अटैक

भोपाल, दोहपर मेट्रो

वायरस का संक्रमण की वजह से पिछले एक हफ्ते में 15 साल से कम उम्र के साढ़े छह हजार से अधिक बच्चे इलाज के लिए एस, हमीदिया और जेपी जिला अस्पताल पहुंचे। शशु रोग विभाग की इमरजेंसी में 119 बच्चों को भर्ती करना पड़ा। दरअसल, मौसम में उतार-चढ़ाव के कारण बच्चों में तेजी से वायरस संक्रमण फैल रहा है। इसकी वजह से बच्चों में तेज बुखार,उल्टी-दस्त और बदन में दर्द के मामले बढ़े हैं। चिकित्सकों के अनुसार कॉक्ससैकी वायरस, रेस्पिरेट्री वायरस और हेपेटाइटिस ए व ई वायरस के संक्रमण से बच्चे बीमार हो रहे हैं। संक्रमित बच्चों से जेपी और हमीदिया अस्पताल के बच्चा वार्ड फुल हैं। एस समेत अन्य सरकारी अस्पतालों का भी कमोबेश यही हाल है। हमीदिया अस्पताल में ढाई हजार बच्चों का इलाज किया गया। इनमें से 217 बच्चों को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक बच्चों को पूरी तरह से स्वस्थ होने में सात से 10 दिन का समय लग रहा है।

फाइल

बुखार से तप रहा बदन : बीते दिनों हमीदिया अस्पताल के शिशु रोग विभाग की ओपीडी में बच्चों को दिखाने के लिए माता-पिता की लंबी कतारें लगी रहीं। बुखार से तपते बच्चे को गोद में लिए लोग परेशान दिखे। ऑक्सीजन मॉस्क लगाए बच्चे और परिजन इधर से उधर आते-जाते रहे।

परिजनों को सलाह

- हाथ धोने की आदत डालें, भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रखें
- बच्चों में किसी भी लक्षण को हल्के में न लें।
- बाहर के भोजन से परहेज करें। ज्यादा लिक्विड डाइट दें।
- सूती कपड़े पहनाएं और लक्षण दिखने पर स्कूल न भेजें।

इन 3 वायरस का अटैक

रेस्पिरेटरी सिंसेशियल वायरस (आरएसवी)- ज्यादातर बच्चे आरएसवी से संक्रमित हैं। सांस की समस्या, खांसी और तेज बुखार इसके प्रमुख लक्षण हैं।
कॉक्ससैकी वायरस- इससे हैंड-फुट-माउथ डिजीज के कारण मुंह में छाले, हाथ-पांव पर दाने और भूख न लगने के लक्षण हैं।
हेपेटाइटिस ए और ई- दूषित पानी और भोजन से फैलने वाला यह वायरस पीलिया, थकान, उल्टी और पेट दर्द के लिए जिमेदार है।

कुछ में डेंगू के लक्षण

डॉक्टरों के अनुसार यह संक्रमण एक माह पहले शुरू हुआ था, लेकिन बीते एक सप्ताह में यह काफी बढ़ गया है। सबसे ज्यादा बच्चे आरएसवी से संक्रमित हो रहे हैं। इसके बाद हैंड-फुट-माउथ डिजीज और हेपेटाइटिस से पीड़ित बच्चे अस्पताल पहुंच रहे हैं। कुछ बच्चों में डेंगू के लक्षण भी देखे गए हैं। इसलिए परिजनों बच्चों को ध्यान रखें।

गड्डों से चल समारोह में श्रद्धालुओं को होगी दिक्कत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पुराने शहर में अनंत चौदस पर्व को लेकर चल समारोह की तैयारियों में इस बार प्रशासन की लापरवाही साफ दिखाई दे रही है। जहां एक ओर बड़ी-बड़ी झांकियां और शोभायात्राएं विसर्जन घाट तक पहुंचने वाली हैं, वहीं दूसरी ओर सड़कों की जर्जर हालत श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। शहर की कई प्रमुख सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिन पर अब तक कोई सुधार कार्य नहीं किया गया है। झांकियों को लेकर स्थानीय समितियां जोर-शोर से तैयारियां कर रही हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा सड़कों की मरम्मत और यातायात व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ऐसे में चल समारोह के दौरान श्रद्धालुओं को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। झांकी पंडाल संचालकों ने भी चिंता जताते हुए कहा है कि खराब सड़कें हादसों को न्योता दे सकती हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से अपील की है कि पर्व से पहले ही सड़कों की मरम्मत और साफ-सफाई करवाई जाए ताकि श्रद्धालु सुरक्षित और सुगमता से विसर्जन स्थल तक पहुंच सकें। अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो अनंत चौदस का धार्मिक उत्सव श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

राजस्थान जाने वाली कई ट्रेनें निरस्त, कुछ को किया डायवर्ट

भोपाल, दोहपर मेट्रो

रेलवे ट्रेक मेंटनेंस और प्लेटफार्म निर्माण के चलते कोटा स्टेशन पर काम जारी है। इसके चलते भोपाल से कोटा होकर राजस्थान की ओर जाने वाली कई ट्रेनों को निरस्त एवं डायवर्ट किया गया है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने यात्रियों से ऑन लाइन स्टेटस चेक करने के बाद ही यात्रा शुरु करने की अपील की है।

शॉट टर्मिनेट ट्रेनें : गाड़ी संख्या 11604 बीना-कोटा एक्सप्रेस 10. सितंबर से से 04 अक्टूबर तक सोगरिया-कोटा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। 19812 इटावा-कोटा एक्सप्रेस 09 सितंबर से 03

अक्टूबर तक सोगरिया-कोटा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। 22984 इंदौर-कोटा एक्सप्रेस 10 सितंबर से 04 अक्टूबर तक सोगरिया-कोटा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

ये ट्रेनें डायवर्ट : गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस 10 सितंबर से 03 अक्टूबर तक अपने निर्धारित मार्ग की बजाय सोगरिया-कोटा चंबल केबिन-गुड़ला मार्ग से संचालित होगी। 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 10 सितंबर से 4 अक्टूबर तक अपने निर्धारित मार्ग की बजाय गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया मार्ग से संचालित होगी। 12181 जबलपुर-अजमेर एक्सप्रेस 10 सितंबर से 03 अक्टूबर तक अपने निर्धारित मार्ग की बजाय सोगरिया-कोटा चंबल केबिन-गुड़ला मार्ग से संचालित होगी। 12182 अजमेर-जबलपुर एक्सप्रेस 10 सितंबर से 04 अक्टूबर तक अपने निर्धारित मार्ग की बजाय गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया मार्ग से संचालित होगी।

भगवान अग्रसेन जयंती की शोभायात्रा 20 को निकाली जाएगी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अग्रवाल समाज के कुल प्रवर्तक भगवान अग्रसेन जी की 5149 वीं जयंती के उपलक्ष्य में समग्र अग्रवाल समाज भोपाल द्वारा भव्य शोभा यात्रा 20 सितम्बर दिन शनिवार दोपहर 4 बजे से जवाहर भवन, रोशनपुरा चौराहे से निकाली जा रही है। इस भव्य शोभा यात्रा में भगवान शंकर-पार्वती जी ऊँट पर संवार होकर निकलेंगे एवं कुलदेवी माता महालक्ष्मी के साथ भगवान अग्रसेन एवं माता माधवी भी आकर्षक झाँकी के रूप में शामिल रहेंगे, साथ ही भगवान अग्रसेन जी के 18 पुत्रों जो कि18 गोत्रों के नाम पर है उसी के अनुरूप 18 घोड़ों पर 18 राजकुमार अपने-अपने गोत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए राजकुमारों के परिधान में शामिल रहेंगे। उपरोक्त जानकारी मुख्य संयोजक सुनील गर्ग द्वारा प्रदान की गई। इस भव्य शोभा यात्रा में अग्रवाल समाज के महिला, पुरुष, एवं बच्चो सहित करीब 2000 अग्रबंधू सम्मिलित होंगे। इस भव्य शोभा यात्रा का भोपाल मेला उत्सव समिति, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत, भोपाल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं मध्य प्रदेश वैश्य महासम्मेलन आदि संस्थाओं द्वारा स्वागत किया जायेगा। उक्त जानकारी संयोजक रामेश्वर अग्रवाल एवं शरद अग्रवाल द्वारा प्रदान की गई। यह भव्य शोभा यात्रा जवाहर भवन, रोशनपुरा चौराहे से प्रारम्भ हो कर बाणगंगा चौराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा, शीतलदास की बगिया होते हुए अग्रसेन वाटिका कमला पार्क में पुष्पांजलि के रूप में परिवर्तित होगी। उक्त जानकारी संयोजक मधुर अग्रवाल द्वारा प्रदान की गई। इस भव्य शोभा यात्रा के समापन पर अग्रसेन वाटिका में भव्य महाआरती एवं वरिष्ठ अग्रबंधुओं के सम्मान के साथ रंगीन आतिशबाजी तथा भोजन-प्रसादी के वितरण की व्यवस्था रहेगी। उक्त जानकारी संयोजक एच. एल. गर्ग एवं अनुपम अग्रवाल द्वारा दी गई। संयोजक महावीर गर्ग 'मामा' एवं मंजू गुप्ता द्वारा बताया गया की इसमें शामिल महिलाएं पीले वस्त्र में एवं पुरुष वर्ग वस्त्रों के साथ भगवे रंग के साफे एवं अंगवस्त्र के साथ सम्मिलित होंगे। भोपाल के दूरस्थ स्थानों से भव्य शोभा यात्रा में शामिल होने के लिए भी वाहनों की व्यवस्था की गई है। इस भव्य शोभा यात्रा में अग्रबंधू स्वच्छ भारत मिशन अभियान को निभाते हुए शोभायात्रा के साथ-साथ पीछे से सफाई करते हुए आगे बढ़ेंगे। साथ ही मेडिकल इमरजेंसी हेतु एक एम्बुलेंस साथ में रहेगी तथा बुजुर्ग अग्रबन्धुओं के लिए वाहन की व्यवस्था भी की गई है। संयोजक प्रहलाद दास अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण बंसल, आर के गुप्ता, आदि वरिष्ठ अग्रबंधुओं द्वारा सभी अग्रबंधुओं से निवेदन किया गया है की इस यात्रा में बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर भगवान अग्रसेन जी के सिध्दांत का अनुसरण कर एकता का परिचय देकर एक शाम समाज के नाम सन्देश को चरितार्थ करें।

एल.वी.एस. ग्रुप ऑफ स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह

शिक्षा के बिना मानव का कोई मोल नहीं- सिद्धभाऊ

हिरदाराम नगर. लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित गांधीनगर के एल.वी.एस. ग्रुप ऑफ स्कूल में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिद्धभाऊजी ने 138 शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। समारोह की शुरुआत संत हिरदाराम साहिब जी, माँ भारती और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। संस्था के सचिव रमेश हिंगोरानी और कोषाध्यक्ष मनोहर वासवानी ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में गीत और अपने विचार प्रस्तुत कर उन्हें सम्मानित किया। सिद्ध भाऊ ने कहा कि शिक्षा के बिना मानव का कोई मोल नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों को समय सारणी बनाकर पढ़ाई करने और जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई का कोई शॉर्टकट नहीं होता और सफलता उन्हीं को मिलती है जो अपने माता-पिता और गुरुजनों की आज्ञा का पालन करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में धनवान का नहीं, बल्कि पढ़े-लिखे व्यक्ति का सम्मान होता है। सिद्ध भाऊ ने कहा कि विद्यार्थी का जीवन एक तपस्या है और इस कीमती समय को व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए।

विद्यालय को मिलीं दो नई बसें

इस अवसर पर संस्था द्वारा संचालित विद्यालयों को दो नई बसों की सौगात भी दी गई, जिनका सिद्ध भाऊ ने विधिवत पूजन किया गया। समारोह में लक्ष्मीदेवी विक्योमल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वीना चार्ली दासवानी गर्ल्स पब्लिक स्कूल और प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल के 138 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन जाग्रती वंजानी और लवीना जगनानी ने किया, जबकि नीता अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

साधु वासवानी स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

हिरदाराम नगर. साधु वासवानी स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया, जहां बच्चों ने शिक्षक बनकर शिक्षकों के प्रति अपना सम्मान भाव व्यक्त किया, वहीं समाजसेवियों व शिक्षाविदों ने अपने विचार रखे। वरिष्ठ शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि शिक्षक वह दीपक है जो खुद जलकर विद्यार्थियों को ज्ञान देता है। उन्होंने छात्रों से हमेशा शिक्षकों का सम्मान करने और उनके बताए रास्ते पर चलकर ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लेने को कहा। समाजसेवी कन्हैयालाल रामनानी ने कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थियों के सच्चे हितैषी होते हैं और उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाते हैं।

महापौर ने की पूजा-अर्चना

भोपाल। शनिवार को महापौर मल्टी राय ने पूजा अर्चना कर भदभदा डैम का एक गेट खोला।

लघुकथाएं आमंत्रित, 14 तक मौका

भोपाल। मप्र उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्वावधान में विभिन्न वर्गों में उर्दू भाषा एवं उर्दू लिपि में लघुकथाएं (अफ़सांचे) आमंत्रित की गई है। इसमें प्रथम वर्ग में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी के लिये अफ़सांचे एवं लघु कथाएं और द्वितीय वर्ग में समस्त महाविद्यालयालीन विद्यार्थियों के लिये लघु कथा और अफ़सांचे आमंत्रित है। विद्यार्थी को अफसांचे एवं लघु कथाएं उर्दू अकादमी के मेल पर भेजना होंगी। विस्तृत जानकारी मोबाइल नम्बर 7000815183 पर प्राप्त की जा सकती है। प्रति व्यक्ति केवल एक ही लघुकथा (अफ़सांचा) भेज सकता है। लघुकथा (अफ़सांचा) मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की ईमेल आईडी पर 14 सितम्बर तक भेजी जा सकती है। प्रत्येक वर्ग से 3-3 कहानियों का चयन किया जाएगा, जिन्हें प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान किये जाएँगे। कहानी चयनकर्ताओं का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य रहेगा।

मेट्रो एंकर

कई दुकानों पर लगाएं गए 'स्वदेशी सामान मिलता है'... के बोर्ड

सांसद शर्मा पहुंचे बाजार, कहा- स्वदेशी सामान बेचें व्यापारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सांसद आलोक शर्मा ने शहर के पुराने चौक बाजार, जुमेराती और लखेरापुरा में स्वदेशी अपनाओ के बारे में जन जागरण किया। इस अवसर पर उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी सामान बेचने अपील की। सांसद शर्मा के आव्हान पर दुकानदारों ने अपनी अपनी दुकानों के बाहर यहां स्वदेशी सामान मिलता है के बोर्ड लगाए। जन जागरण के दौरान संसद आलोक शर्मा के साथ व्यापारी गणों ने संकल्प लिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए वे सभी अपनी दुकानों पर स्वदेशी सामान ही बेचेंगे।

सांसद शर्मा ने कहा कि स्वदेशी केवल एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निर्णायक कदम है। स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से न केवल देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा भी सुरक्षित रहती है। वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया जैसे अभियान देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास हैं। इससे भारतीय उद्योग, किसान और छोटे व्यापारी लाभान्वित होते हैं। स्थानीय कला और परंपरा को बढ़ावा मिलता है। आत्मनिर्भरता से देश मजबूत बनता है। सांसद शर्मा के साथ जंजैगरा स्वदेशी अपनाओ जागरण अभियान के तहत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कारण एवं व्यापारी बंधु गण उपस्थित रहे।

सांसद का हाईकोर्ट बेंच की स्थापना के लिए पक्ष रखने पर सम्मान

भोपाल अभिभाषक संघ द्वारा अदालत परिसर में सांसद आलोक शर्मा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान बार एशोसिएशन द्वारा हाईकोर्ट की बेंच भोपाल लाने और अभिभाषक संघ की नवीन बिल्डिंग में द्वितीय तल बनाने के लिए सांसद निधि से सहयोग राशि की मांग की गई। सांसद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मैं पिछले दिनों देश के कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल से मिला था। मैंने उनको हाईकोर्ट बेंच भोपाल में स्थापित करने के पत्र सौंपा है। उनसे आग्रह किया है कि यदि हाईकोर्ट की बेंच लाने में दिक्कत है तो भोपाल संभाग का क्षेत्राधिकार इंदौर खंडपीठ से जोड़ दिया जाए। सांसद आलोक शर्मा ने बार एसोसिएशन और उपस्थित वकीलों से कहा कि मैं हाईकोर्ट खंडपीठ के लिए लगातार प्रयास कर रहा हूँ, लेकिन इसमें आप लोगों का सहयोग भी जरूरी है। हाईकोर्ट बेंच की स्थापना के लिए राज्य सरकार की ओर से मुख्यमंत्री, राज्यपाल और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की ओर से प्रस्ताव केंद्र में जाना आवश्यक है। आप भी एक कदम आगे बढ़ें। मैं मुख्यमंत्री जी से समय लेता हूँ आप-हम सब मिलकर मुख्यमंत्री जी से आग्रह करेंगे कि हाईकोर्ट की बेंच भोपाल में स्थापित करने में मदद करें। यदि भोपाल में हाई कोर्ट की खंडपीठ स्थापित होती है तो निश्चित ही इससे जनता को सस्ता और सुलभ न्याय तो मिलेगा ही साथ ही सरकार का आर्थिक बोझ भी कम होगा। देश के कानून मंत्री से हाईकोर्ट बेंच की स्थापना के लिए मजबूत पक्ष रखने पर सांसद आलोक शर्मा अभिभाषक संघ की ओर से शॉल-श्रीफल और पुष्पमालाओं से जोरदार स्वागत किया गया।

सर्वोत्तम शिक्षक अवार्ड मिला देवानी को

हिरदाराम नगर. बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ समाजसेवी कमलेश देवानी को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए डॉ. एस. राधाकृष्णन सर्वोत्तम शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें त्रेता युग फाउंडेशन की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदान किया गया। त्रेता युग फाउंडेशन के प्रज्ञात सिंह ने बताया कि कमलेश देवानी ने गर्मी की छुट्टियों के दौरान कई जरूरतमंद लोगों को कंप्यूटर सिखाया और उन्हें रोजगार दिलाने में मदद की। प्रज्ञात सिंह ने देवानी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे इसी तरह समाज हित के कार्य करते रहें और देश का नाम रोशन करें।

इमरजेंसी सेवाओं से एयर एंबुलेंस को भी जोड़ने की शुरू हुई तैयारी

डायल 112 पर मिलेगी एयर एंबुलेंस बुलाने की भी सुविधा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्य प्रदेश में वन नेशन-वन इमरजेंसी नंबर डायल-112 अब तक पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस जैसी बुनियादी सेवाओं से जुड़ा हुआ है, लेकिन अब इसमें सीएम एयर एंबुलेंस सेवा को भी जोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है। इस पहल से गंभीर मेडिकल इमरजेंसी में केवल 112 डायल करने पर मरीज को एयर एंबुलेंस से तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा।

इससे खासकर दूरस्थ इलाकों और प्राकृतिक आपदा में फंसे लोगों की जान बचाने की संभावनाएं बढ़ेंगी। इसके अलावा स्टेट कमांड सेंटर एनएचएआई एंबुलेंस और आरबीआई करेंसी चेस्ट सेवा को भी डायल-112 से जोड़ने का प्लान तैयार कर रहा है। नेशनल हाईवे पर होने वाले सड़क हादसों में कॉल करते ही नजदीकी हाईवे एंबुलेंस मौके पर पहुंचेगी। जीपीएस से लैस इन एंबुलेंसों को कंट्रोल रूम से ट्रैक किया जाएगा और कालर को लगातार अपडेट मिलेगा।

आपातकालीन सेवाओं की पहुंच होगी मजबूत

डायल-112 के माध्यम से जल्द ही आरबीआइ करेंसी चेस्ट सेवा भी इंटीग्रेट की जाएगी। इसका उद्देश्य नकदी से जुड़े अपराधों, कैश वैन पर हमले या करेंसी चेस्ट में किसी आपात स्थिति में पुलिस की त्वरित मदद सुनिश्चित करना है। इस योजना से प्रदेश में आपातकालीन सेवाओं की पहुंच और सुरक्षा प्रणाली दोनों मजबूत होंगी।

वर्तमान में डायल- 112 से जुड़ी हैं 10 सेवाएं

- पुलिस आपातकालीन सेवा – 100
- स्वास्थ्य/ एम्बुलेंस सेवा – 108
- अग्निशमन सेवा – 101
- महिला हेल्पलाइन – 1090
- नेशनल सायबर क्राइम हेल्पलाइन – 1930
- रेल मदद हेल्पलाइन – 139
- एमपीआरडीसी- एक्सिडेंट रिस्पांस सर्विस (हाईवे, टोल नाका) – 1099
- राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन – 1079
- राज्य परिवहन विभाग पेनिक बटन
- सीएम हेल्पलाइन महिला एवं चाइल्ड- हेल्पलाइन – 1098

हिन्दी भवन में आज से किताब उत्सव

पांच दिनों तक चलेगा साहित्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का उत्सव

भोपाल। राजकमल प्रकाशन 6 से 10 सितम्बर तक हिन्दी भवन में 'किताब उत्सव' का आयोजन कर रहा है। पाँच दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 8 बजे तक पुस्तक प्रदर्शनी, लेखक-पाठक संवाद, परिचर्चाएं, कविता-पाठ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित होंगी। इस दौरान भोपाल शहर के साथ-साथ देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आनेवाले साहित्यकारों का जुटान होगा।

पहले दिन होंगे ये कार्यक्रम- 'किताब उत्सव' के पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद अब्दुल बिस्मिल्लाह के संस्मरणों की किताब 'स्मृतियों की बस्ती' पर चर्चा होगी। इसके पश्चात् हबीब तनवीर के कृतित्व पर विशेष सत्र आयोजित होगा जिसमें नगीन तनवीर रंग-संगीत की प्रस्तुति देंगी। अगला सत्र 'आख्यान और उपन्यास' विषय पर संवाद का होगा जिसमें महेश कटारे, अब्दुल बिस्मिल्लाह और शिवमूर्ति बतौर वक्ता उपस्थित रहेंगे। इसके बाद राजेश जोशी और इक़बाल मसूद 'भोपाल की उर्दू' विषय पर चर्चा करेंगे। अगले सत्र में कैलाश वानखेड़े के नए उपन्यास 'उजला अँधेरा' पर बातचीत होगी। अंतिम सत्र में विहान ड्रामा वर्क्स की टीम कविता संगीत की प्रस्तुति देंगी। इसी दौरान कवि-रंगकर्मी हेमन्त देवलेकर के नए कविता-संग्रह 'प्रूफ़ रीडर' का लोकार्पण होगा।

भोपाल से ही हुई 'किताब उत्सव' शृंखला की शुरुआत

आमोद महेश्वरी ने कहा, 'किताब उत्सव' नाम से साहित्यिक कार्यक्रमों की शृंखला की शुरुआत राजकमल प्रकाशन के 75वें स्थापना वर्ष में भोपाल से ही हुई। यह आयोजन पाठकों और लेखकों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जाता है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ पाठक अपने प्रिय लेखकों के साथ-साथ अपनी पसंदीदा किताबों से भी जुड़ पाते हैं। इसके अंतर्गत पिछले चार वर्षों में भोपाल सहित पटना, मुम्बई, लखनऊ, जयपुर, राँची, चंडीगढ़, जालंधर और वाराणसी जैसे 9 प्रमुख शहरों में 11 सफल आयोजन हो चुके हैं।

भोपाल में एंटरप्रेन्योर एआई समिट- 2025 का आयोजन

भोपाल। राजधानी में थे इंडस एंटरप्रेन्योर द्वारा एंटरप्रेन्योर एआई समिट 2025 का आयोजन आज किया जा रहा है।यह समिट उद्यमियों, स्टार्टअप्स, MSMEs और प्रोफेशनल्स के लिए एक बड़ा अवसर है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग कर अपने व्यवसाय को और अधिक स्मार्ट, तेज़ और स्केलेबल बनाना चाहते हैं। टीआइए के प्रेसिडेंट सावन लड्ढा ने बताया कि समिट-2025 केवल एआई को समझने तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें एआई को वास्तविक रूप से लागू करने के लिए प्रैक्टिकल जानकारी और लाइव डेमो भी प्रस्तुत किए जाएंगे। व्यवसाय का भविष्य कैसे बदलेगा, एआई प्रतिभागियों को ऐसी ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी और टूल्स से परिचित कराया जाएगा। जिन्हें वे सीधे अपने सेल्स, ऑपरेशन्स, ह्यूमन रिसोर्सेज़ और कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में लागू कर सकते हैं।

वक्ता रखेंगे अपने विचार

समिट के मुख्य वक्ता संजीव जैन होंगे। प्रख्यात सीरियल एंटरप्रेन्योर संजीव जैन जिन्होंने अब तक सात से अधिक टेक कंपनियाँ स्थापित की हैं। मंत्री विश्वास कैलाश सारंग द्वारा भोपाल चैप्टर का शुभारंभ भी किया जायेगा। समिट में विशेष रूप से स्टार्टअप्स, बिज़नेस ओनर्स, एंटरप्रेन्योर,, फाइनेंस, ऑपरेशन्स प्रोफेशनल्स, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, आईटी, रिटेल और सर्विस सेक्टर से जुड़ी कंपनियाँ शामिल होंगी।

भड़काऊ पोस्ट डालना, शेयर करना-कमेंट व लाइक करना अपराध

सोशल मीडिया पर पुलिस की कड़ी नजर गलत पोस्ट डालने पर होगी सख्त कार्रवाई

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

आगामी त्योहरों को देखते हुए सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर धार्मिक और सामाजिक वैमनस्य फैलाने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने सोमवार को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

आदेश के मुताबिक फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भड़काऊ व आपत्तिजनक और अफवाह फैलाने वाले पोस्ट डालना, शेयर करना या उस पर कमेंट करना अब अपराध माना जाएगा। कमिश्नर ने आदेश में कहा है कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया के जरिए भड़काऊ संदेशों और अफवाहों ने साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश की है। कई बार असामाजिक तत्व फोटो, वीडियो और ऑडियो वायरल कर भीड़ जुटा लेते हैं, जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में केवल पोस्ट डालने वाला ही नहीं बल्कि उसे लाइक, शेयर या कमेंट करने वाला भी दोषी माना जाएगा। पुलिस कमिश्नर ने साफ किया है कि भोपाल की शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

ग्रुप एडमिन होंगे जवाबदार- आदेश में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी व्हाट्सएप या सोशल मीडिया ग्रुप में आपत्तिजनक पोस्ट आने पर उसकी जिम्मेदारी सीधे ग्रुप एडमिन की होगी। एडमिन को यह सुनिश्चित करना होगा कि ग्रुप में इस तरह की सामग्री साझा न हो।

साइबर कैफे ग्राहक से लें वैध पहचान

साइबर कैफे संचालकों को भी निर्देश दिए गए हैं। किसी भी ग्राहक को बिना वैध पहचान पत्र दिखाए और रजिस्टर में विवरण दर्ज कराए सेवा नहीं दी जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और अगले दो माह तक प्रभावी रहेगा। यदि इस दौरान स्थिति सामान्य रहती है तो आदेश वापस लिया जा सकता है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

स्वस्थ भारत के प्रति समर्पित

नेक्स्ट - जेन जीएसटी

राहत वहां जहां सबसे ज्यादा मायने रखती है!

सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, स्वस्थ भारत

"आइए हम एक स्वस्थतर विश्व के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराएं। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर निरंतर ध्यान केंद्रित करती रहेगी और लोगों के कल्याण के विभिन्न पहलुओं में निवेश करती रहेगी। अच्छा स्वास्थ्य हर समृद्ध समाज की नींव होता है।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

18% → शून्य
व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा
- टर्म लाइफ पॉलिसियाँ
- यूलिप या एंडोमेंट पॉलिसियाँ
- फैमिली फ्लोटर पॉलिसियाँ
- वरिष्ठ नागरिकों के लिए पॉलिसियाँ

चिकित्सा उपकरण और आपूर्तियाँ
12% → 5%
- अन्य सभी औषधियां और दवाएं
- ग्लूकोमीटर एवं टेस्ट स्ट्रिप्स
- पट्टियाँ
- मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन
- डायग्नोस्टिक किट और रीएजेंट्स
- नजर का चश्मा
- सर्जिकल/मेडिकल परीक्षण हेतु रबर दस्ताने

12% → 5%
36 जीवनरक्षक औषधियाँ और दवाएं
- कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली निर्दिष्ट जीवनरक्षक औषधियाँ और दवाएं

18% → 5%
चिकित्सा यन्त्र और उपकरण
- थर्मामीटर
- शारीरिक या रासायनिक विश्लेषण के लिए यन्त्र और उपकरण

पिछली दरें / नयी दरें

अनुशंसित संशोधित दरों और अन्य माल एवं सेवा कर परिवर्तनों की पूरी सूची के लिए, कृपया स्कैन करें→

@cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @cbicindia @CBICIndia www.cbic.gov.in

CBC 15502/13/0008/2526

पीछे क्यों लौटना

कर्नाटक सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से कराने का फैसला किया है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का कहना है कि लोकल बॉडी इलेक्शन कैसे कराना है, यह अधिकार राज्य का होता है। हालांकि यहां सवाल अधिकार से ज्यादा प्रक्रिया पर है। कांग्रेस की अगुआई में विपक्ष ने जिस तरह से ईवीएम और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है, उसे देखते हुए कर्नाटक सरकार के इस फैसले के राजनीतिक अर्थ निकाले जा सकते हैं।

विपक्ष की शिकायतः चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच भरोसा इस समय सबसे निचले स्तर पर है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर विपक्षी दल हमेशा से संदेह जताते रहे हैं, लेकिन अब बात इलेक्शन कमिशन की विश्वसनीयता तक पहुंच गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, बड़े स्तर पर धांधली हुई। चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नए नाम जोड़े और काटे गए, जिसका फायदा भाजपा को मिला। उन्होंने जिन जगहों पर गड़बड़ी की आशंका जताई थी, उनमें कर्नाटक की बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत आने वाला महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र भी था।

पारदर्शिता की गारंटी नहींः कर्नाटक सरकार का कहना है कि ईवीएम की प्रमाणिकता खत्म हो चुकी है। अगर वाकई ऐसा है, तो भी बैलेट पेपर खोए भरोसे को वापस लाने की गारंटी नहीं। देश में जब चुनाव मतपत्रों के जरिये होते थे, तब भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायतें आती थीं। इसके अलावा, पूरी चुनावी प्रक्रिया बेहद लंबी, थकाऊ और खर्चीली हो जाती थी। ईवीएम ने इस काम को आसान बना दिया है।

टेक्नॉलजी जरूरीः अगर कोई संदेह है, तो उसका हल टेक्नॉलजी से किनारा करके नहीं मिल सकता। इसमें प्रशासनिक मशीनरी के लिए व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। बैलेट पेपर पर लौटने की मांग सुप्रीम कोर्ट भी पिछले साल खारिज कर चुका है। हालांकि शीर्ष अदालत ने दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों के लिए यह रास्ता खोला था कि परिणाम से असंतुष्ट रहने की सूरत में वे प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की 5% ईवीएम की माइक्रोकंट्रोलर चिप का वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

संदेह से मुक्त होः कर्नाटक के निकाय चुनावों को एक प्रयोग मान सकते हैं, जिसके सबक आगे काम आएंगे। लोकतंत्र की बुनियाद निष्पक्ष, स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनावों पर टिकी है। अगर कहीं कोई सवाल, कोई शक है, तो उसका उपाय खुली बहस और पारदर्शिता से निकाला जाना चाहिए। हर सिस्टम में सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। श्रृङ्गेरूके मामले में भी चुनाव आयोग को सोचना चाहिए कि किस तरह इसे आरोप मुक्त किया जा सकता है। इसके लिए सरकार, विपक्ष और आयोग - सभी को मिलकर काम करना होगा।

सुविचार

गंभीरता का गुण धारण कर लो तो व्यर्थ टकराव से बच जायेंगे।

– अज्ञात

निशाना

गुरु गुड़ चेला शक्कर हैं..!

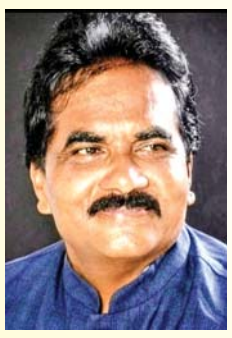

–घनश्याम मैथिल 'अमृत'

' गुरु ' ब्रांड का
गुटखा खाकर थूंक रहे हैं,
ऊपर से 'गणेश ' बीड़ी
जलाकर फूंक रहे हैं,।
' ज्ञानोदय ' विद्यालय की
कक्षा में बैठ
खेल रहे ऑन- लाइन गेम्स
और कर रहे चैट,
प्लान कर रहे जब वी मैट ,
बदलते समय में
समय और समय की धार देखो
अपने शस्त्र और शास्त्रों की
फिर से ' धार ' देखो
अब गए गुरुओं को पूजने के दिन
बदलते हुए ज़माने से टक्कर है,
वैसे भी आज
गुरु गुड़ और चेला शक्कर है।

आज का इतिहास

- 1716 पहला प्रकाशस्तंभ उत्तरी अमेरिका के बोस्टन में बनाया गया।
- 1765 जीन-जैकस रूसो के घर पर स्विट्जरलैंड में एक भीड़ ने त्थरबाजी की।
- 1781 ग्रोटोन हाइट्स की लड़ाई हुई, जिसके परिणामस्वरूप ब्रिटिश सेना विजय हुई।
- 1781 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध-जनरल बेनेडिक्ट अर्नोल्ड ने ग्रोन हाइट्स की लड़ाई में ब्रिटिश सेना को जीत के लिए प्रेरित किया।
- 1813 डेनविट्ज़ की लड़ाई में नेपोलियन की सेनाओं को फिर से प्रशिया और रूस ने हराया।
- 1901 अमेरिकी राष्ट्रपति विलियम मैकिनले, न्यूयॉर्क के बफ़ेलो में पैन-अमेरिकन एक्सपोज़िशन में अलंकारवादी लियोन कोज़ोलगोज़ को बुरी तरह घायल कर चुके थे।
- 1915 पहला युद्धक टैंक बनाया गया। इंग्लैंड में बने टैंक के इस पहले प्रारूप को 'लिटिल विलि' के नाम से पुकारा गया।
- 1916 पहला सुपर मार्केट अमेरिका के टेनेसी में खुला।
- 1916 जर्मन सेना ने रोमानियाई अभियान के लिए नौवें सेना की पुनः स्थापना की।
- 1921 कनेक्टिकट में पुलिस क्लू क्लक्स क्लान में एक जांच कर रही है, जो कथित रूप से सदस्यों को 'एक शुद्ध एंग्लो सेक्सन सभ्यता के विचारों को संरक्षित' करके सदस्यों की नियुक्ति कर रहे हैं।

स्वास्थ्य सुधारों की नई इबारत है शिशु मृत्यु दर में ऐतिहासिक गिरावट

■ डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में स्वास्थ्य सेवाएँ हमेशा से एक जटिल चुनौती रही हैं। सीमित संसाधन, बड़ी जनसंख्या, ग्रामीण-शहरी असमानता और स्वास्थ्य ढाँचे की कमजोर स्थिति ने लंबे समय तक इस क्षेत्र को अपेक्षित ऊँचाई तक पहुँचने से रोके रखा। इसके बावजूद हाल के वर्षों में शिशु मृत्यु दर में लगातार गिरावट दर्ज होना एक उत्साहजनक संकेत है। भारत के महापंजीयक द्वारा जारी आँकड़े बताते हैं कि आम लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में देश ने उल्लेखनीय कदम बढ़ाए हैं।

देखने में यही आ रहा है कि एक दशक पहले जहाँ शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म पर 40 थी, वहीं अब यह घटकर 25 तक पहुँच गई है। यह 37.5 प्रतिशत की गिरावट केवल सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, इससे भी आगे योजनाओं और प्रयासों की सफलता का प्रमाण है।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य की प्राथमिकता

2014 से पहले भी मातृ-शिशु स्वास्थ्य और टीकाकरण से जुड़ी योजनाएँ मौजूद थीं, किंतु उनका लाभ अंतिम छोर तक सीमित रूप से ही पहुँच पाता था। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद इन योजनाओं को नए दृष्टिकोण के साथ लागू किया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय देखभाल की सुविधा दी। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने पहली बार गर्भधारण करने वाली महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की, जिससे वे गर्भावस्था के दौरान पोषण और स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हो सकें। इसी दिशा में जननी सुरक्षा योजना और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जैसे प्रयासों ने सुरक्षित प्रसव की दर बढ़ाई और प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को घटाया। नतीजतन, शिशु मृत्यु दर में लगातार कमी दर्ज हुई। आँकड़े बताते हैं कि ग्रामीण इलाकों में यह दर 44 से घटकर 28 और शहरी क्षेत्रों में 27 से घटकर 18 पर आ गई। यह बदलाव संकेत करता है कि स्वास्थ्य सेवाएँ अब गाँव-गाँव तक पहुँचने लगी हैं।

टीकाकरण अभियान की निर्णायक भूमिका

शिशु मृत्यु दर में गिरावट का सबसे अहम कारण टीकाकरण का व्यापक कवरेज है। 2017 में शुरू हुआ इंटेंसिफाइड मिशन इंद्रधनुष बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पूर्ण टीकाकरण को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। जहाँ पहले टीकाकरण की दर सीमित थी, वहीं अब यह 90 प्रतिशत से अधिक तक पहुँच चुकी है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने जो 200 करोड़ से अधिक टीके रिकॉर्ड समय में लगाए, भारत के संदर्भ में यह प्रयास स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ ही प्रशासनिक दक्षता का भी उदाहरण है। भारत की यह उपलब्धि वैश्विक स्तर पर सराही गई। यानी हम अब टीकाकरण अभियान की निर्णायक भूमिका में पहुंच चुके हैं, जिसके कि आज सार्थक परिणाम भी दिखाई देते हैं।

मोदी सरकार ने 2018 में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर योजना शुरू कर 1.5 लाख से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने का लक्ष्य रखा। इन केंद्रों में अब सामान्य बीमारियों के इलाज के साथ-साथ टेलीमेडिसिन, गैर-संक्रामक रोगों की जांच और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। ई-संजीवनी नामक डिजिटल टेलीमेडिसिन सेवा ने गाँव-गाँव तक डॉक्टरों से ऑनलाइन परामर्श की सुविधा पहुँचाई। लाखों लोग इस सेवा से लाभान्वित हुए और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच अधिक समावेशी बनी। यह तकनीकी प्रयोग स्वास्थ्य क्षेत्र में नया अध्याय जोड़ता है। इस प्रयास से भी बच्चों की मृत्यु दर में भारी कमी आ सकी है।

पोषण और स्वच्छता का योगदान

शिशु मृत्यु दर घटने का एक बड़ा कारण पोषण योजनाओं का विस्तार है। राष्ट्रीय पोषण मिशन या च्पोषण अभियान' ने आंगनवाड़ी केंद्रों को मज़बूत किया और बच्चों व गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योजनाएँ लागू कीं। पोषण ट्रैकर ऐप और जन-जागरूकता अभियानों ने पारदर्शिता व दक्षता को बढ़ाया। इसके साथ ही स्वच्छ भारत अभियान ने अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य सुधार में अहम योगदान दिया। खुले में शौच से मुक्ति और स्वच्छता की आदतों ने संक्रामक रोगों की रोकथाम में भूमिका निभाई। यही कारण है कि शिशु और मातृ स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार देखने को मिला।

स्वास्थ्य पर निवेश और ढाँचागत सुधार

स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकारी निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2014 में स्वास्थ्य पर खर्च जीडीपी का लगभग 1.2 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 2 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। हालाँकि यह वैश्विक औसत से अब थोड़ा कम है, किंतु सुधार की दिशा में महत?वपूर्ण कदम है। इससे बच?चों के स?वास?थ?य हित में भारी इजाफा संभव हो सका है। वहीं, उल?लेखित रूप से नई मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, एम्स जैसे संस्थानों का विस्तार, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती तथा डिजिटल हेल्थ मिशन की शुरुआत इस निवेश की मूर्त उपलब्धियाँ हैं। इनसे स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

ऐसे में यदि वर्तमान गति और प्रतिबद्धता बनी रही तो 2030 तक भारत न केवल सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करेगा बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व का भी उदाहरण बनेगा। समग्र रूप से देखें तो शिशु मृत्यु दर का 25 तक पहुँचना भारत की स्वास्थ्य यात्रा में ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि केवल सरकारी नीतियों का परिणाम नहीं बल्कि समाज की जागरूकता और भागीदारी की भी गवाही देती है। केंद्र की मोदी सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सुधारों ने इस विश्वास को मजबूत किया है कि यदि योजनाओं का सही दिशा में और प्रभावी क्रियान्वयन हो तो बड़े से बड़े लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं।

आज जो दिखाई दे रहा है, वह यह है कि भारत अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है जहाँ स्वास्थ्य सेवाएँ केवल इलाज तक सीमित नहीं बल्कि गरिमामय जीवन और सामाजिक समानता से जुड़ी हुई हैं। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा संदेश है। भविष्य की दृष्टि से भारत का लक्ष्य स्पष्ट है। कुपोषण में उल्लेखनीय कमी, मातृ मृत्यु दर को न्यूनतम स्तर तक लाना और शिशु मृत्यु दर को 12 से नीचे लाना प्रमुख उद्देश्य हैं।

लेखिका मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य हैं

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर विशेष

फिजियोथैरेपी से ही है एलोपैथी की पूर्णता

■ डॉ. सुनील पाण्डेय, एमपीटी(ऑर्थो)

फिजियोथैरेपी (भौतिक-चिकित्सा) खेल के ग्राउंड से गहन चिकित्सा इकाई तक अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। हर एक दर्द में फिजियोथैरेपी चिकित्सा किसी संजीवनी बूटी से कम नहीं है। स्वास्थ्य की दृष्टि से इसके कोई साइड इफेक्ट नहीं है। इसे भौतिक-चिकित्सा के नाम से भी जाना जाता है। नई सदी के तौर-तरीकों को अपनाने वाले हम आधुनिक लोगों ने इस तेज रफ्तार से भागती जिंदगी में खाने-पीने, उठने-बैठने और सोने-जागने के तौर तरीकों को बदल दिया है। इस परिवर्तनकारी जीवन शैली का सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ा है। आधुनिक जीवन पर आए बदलाव के चलते कमर दर्द, सिर दर्द सर्वाइकल एवं लंबर स्पॉन्डिलाइटिस जैसे दर्द अधिकांश लोगों जिंदगियों का हिस्सा बन गया है। सही मायने में कहें तो एलोपैथी को तभी पूर्णता मिलती है, जब इसमें फिजियोथैरेपी जुड़ जाती है। यह विधा जल्दी स्वस्थ बनाने में हमारी सहायक है। इस वर्ष का ध्यान 'स्वस्थ उम्र बढ़ाना है, जिसमें कमजोरी को रोकने पर विशेष जोर दिया गया है।

यदि आप किसी भी प्रकार के दर्द से परेशान हैं, तो फिजियोथैरेपी चिकित्सा आपकी मददगार बन सकती है। दर्द से राहत दिलाने के अलावा फिजियोथैरेपी कई गम्भीर रोगोपचार के लिए भी कारगर साबित हुई है। करीब 90 प्रतिशत बीमारियों के इलाज में फिजियोथैरेपी चिकित्सा सहायक बन सकती है। एक रिसर्च में सामने आया है कि दवाइयों के मुकाबले फिजियोथैरेपी ज्यादा कारगार साबित हुई है। बुजर्गों को ज्यादा समय तक दर्द की दवाइयां कई तरह से नुकसान पहुंचा सकती हैं। महिलाओं एवं बच्चों में भी यही हाल है। इनके इलाज में मोबलाइजेशन, मेनीपुलेशन, मेकेनिकल और इलेक्ट्रोथैरेपी डिवाइस उपयोग की जाती है। ये सभी उपचार, बचाव व रक्षा के लिए उपयोगी हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार हर 10,000 लोगों के बीच एक क्वालीफाइड 'फिजियोथैरेपिस्ट की जरूरत है।

भारत की आबादी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। तकरीबन अभी हमारे देश जनसंख्या 140 करोड़ के आंकड़े को पार करने जा रही है। तब ऐसे समय में फिजियोथैरेपी चिकित्सा की सबसे ज्यादा जरूरत है। जो बिना चीर-फाड़ के हमारे शरीर को स्वस्थ रख सकती है। भारत की लगभग 10 प्रतिशत आबादी फिजिकल डिसएबिलिटी से ग्रसित है। एक व्यक्ति जो आपको खड़ा कर सकता है, आपको चला सकता है, सभी दर्दों से मुक्त कर सकता है, वह एक फिजियोथेरेपिस्ट ही है। फिजियोथेरेपिस्ट की जरूरत हर उस मरीज को होती जो गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती होता है या फिर लम्बे समय तक अस्पताल में भर्ती हैं। जो उठने-बैठने और चलने पर असमर्थ है। जिसे स्वयं हाथ-पैर चलाने में समस्या होती है। न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट में जो मरीज लकवाग्रस्त, मस्तिष्क एवं (रीढ़) स्पाइनल कॉर्ड की गम्भीर बीमारियों से ग्रसित होते हैं, उनके लिए वार्ड में ही फिजियोथैरेपी की व्यवस्था होनी चाहिए।

आर्थोपेडिक डिपार्टमेंट में भी शल्य प्रक्रिया (ऑपरेशन) के तुरंत बाद ही वार्ड में फिजियोथैरेपी की जरूरत महसूस होती है। कार्डियो पलमोनरी विभाग में भी भर्ती मरीज को कार्डियोथोरेसिक की जरूरत होती है। मरीज को छाती से बलगम बाहर करने में विशेष व्यायाम के जरिए जल्द ही मरीज के स्वस्थ होने पर मदद करता है। एक अध्ययन के मुताबिक फिजियोथैरेपी चिकित्सा पूरे विश्व में मेडिकल विधा के रूप में लोकप्रिय है। इस मेडिकल पद्धति से आधुनिक मशीनों से लेकर मैन्युअल थैरेपी से जटिल से जटिल समस्या का निदान सम्भव हो रहा है। फिजियोथैरेपी चिकित्सा के आभाव में मरीज को अपाहिज की तरह जिंदगी जीना पड़ता है। लम्बे समय तक विस्तर पर पड़े रहने से मरीज की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। बेड पर पड़े रहने से जख्म (घाव) बन जाते हैं। यह रोग या परेशानी आगे चलकर गम्भीर एवं लाइलाज हो जाता है।

इतिहास की दृष्टि से विश्व फिजियोथेरेपी का उदय 1951 में हुआ था। इसके बाद 8 सितंबर 1996 को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के रूप में घोषित किया गया। यह दिन वैश्विक फिजियोथेरेपी समुदाय की एकता और एकजुटता का प्रतीक है। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य समाज के बीच जागरुकता बढ़ाना है। साथ ही यह लोगों को सक्रिय, स्वतंत्र और स्वस्थ जीवन जीने में फिजियोथेरेपी की भूमिका के बारे में शिक्षित करता है। इसके इतर यह दिवस इस मेडिकल विधा में कार्य कर रहे लोगों का भी सम्मान बढ़ाता है।

लेखक सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट एवं भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ एमपी के अध्यक्ष हैं

एक देश, एक टैक्स, एक दर अधूरा लेकिन निर्णायक कदम

■ राजीव खण्डेलवाल

मोदी सरकार द्वारा 1 जुलाई 2017 को वेट टैक्स के बदले गुड्स एवं सर्विस टैक्स एक्ट 2016 के द्वारा जीएसटी कर लागू करने के बाद जीएसटी काउंसिल की 56 वीं बैठक में टैक्स ढांचे में बड़े बदलाव का निर्णय लिया गया।अब चार दरों (5%, 12%, 18%, 28%) की जगह 5% मेरिट दर,18% स्टैंडर्ड दर, और 40% डिमैरिट दर, विलासिता और हानिकारक और वस्तुओं पर लागु होगी। उक्त दरें 22 सितंबर 2025 से लागू होंगी। सिर्फ डिमैरिट श्रेणी में रखे गए वस्तुओं को छोड़कर जिन पर कर लगाने की तारीख बाद में अलग से सूचित की जाएगी।

राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में एक कदम और

भाजपा और संघ की मूल नीति एक देश, एक विधान, एक निशान पर आधारित है। इसे सफलतापूर्वक धरातल पर उतारा भी गया है। इसी विचार को जीएसटी में किया गया यह सुधार भी आगे बढ़ा रहा है। भाजपा की वन नेशन के सिद्धांत को लागू करने की विभिन्न क्षेत्रों की एक सूची है जिस पर वह या तो कार्य कर चुकी है या कर रही है। इसमें एक रैंक, एक पेंशन,एक पहचान पत्रः आधार, एक राशन कार्ड, एक पाठ्यक्रम व शिक्षा नीति, एक श्रम कानून,एक स्वास्थ्य बीमा योजना,एक मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड, एक कृषि बाजार, एक छात्रवृत्ति योजना, खेलो इंडिया योजना, यूनिफॉर्म सिविल कोड की पहल एवं एक देश, एक चुनाव की परिकल्पना शामिल है। जीएसटी का सरलीकरण इसी श्रृंखला का अगला कदम है

यूपीए सरकार से एक कदम आगे

यदि हम पीछे मुड़कर देखें तो वर्ष 2006 में यूपीए सरकार ने सबसे पहले पूरे भारत में एक कर, एक दर की योजना बनाई थी। 2010 से लागू करने का प्रयास किया परंतु असफल रही। वर्ष 2009 में 13 वें वित्त आयोग ने एक दर 12% (6% जीएसटी + 6% सीएसटी) का सुझाव दिया। परंतु एक देश एक की नीति और सिद्धांतों की शुरू से ही वकालत करने वाली भाजपा के शासित राज्यों के विरोध और यूपीए सरकार की अस्थिरता के कारण योजना धरातल पर उतर नहीं पाई। अंततः 2017 में मोदी सरकार ने चार दरों वाला जीएसटी लागू किया। परंतु जीएसटी की मूल अवधारणा देने वाली कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी ने तब जीएसटी को ÷गब्बर सिंह टैक्स÷ कहकर विरोध किया था। लेकिन आज जीएसटी काउंसिल में कांग्रेस सरकारों की सहमति के बावजूद वित्त मंत्री के द्वारा उसी गब्बर सिंह टैक्स को कम करने के निर्णय का कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से ÷हार्दिक स्वागत÷ नहीं किया है, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। तथापि कुछ नेताओं और विपक्ष ने इसे ÷देर से आया सही निर्णय÷ जरूर ठहराया।

आम जनता को राहत

एक अनुमान के अनुसार उक्त करारोपण के ढांचे से लगभग 47000 करोड़ के राजस्व का नुकसान होने की आशंका है, प्रभाव स्वरूप राज्यों के राजस्व में भी हानि होगी। लेकिन भविष्य में टैक्स ग्रोथ, कर का आधार और व्यापक अनुपालन तथा पारदर्शिता से घाटा पूरा होगा। व्यापार करने में आसानी बढ़ेगी। पेट्रोलियम उत्पाद (पेट्रोल, डीज़ल, गैस) अभी जीएसटी के बाहर हैं। यदि इन्हें शामिल किया गया तभी एक देश, एक कर एक दर का सपना साकार होगा।

सही आकलन किया जाए तो वित्त मंत्री और जीएसटी काउंसिल का यह निर्णय स्वागत योग्य है। यह न केवल कर ढांचे को सरल करेगा, बल्कि मोदी सरकार की घोषित नीति वन नेशन, वन टैक्स की दिशा में एक मजबूत और निर्णायक कदम भी सिद्ध होगा।

लेखक कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष हैं

पंडालों में विशेष पूजन के साथ हुए भंडारे, बनाए गए हैं कृत्रिम कुंड

विदाई के साथ हो रहा है गणेश उत्सव का समापन, विसर्जन का सिलसिला जारी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

दस दिवसीय गणेश उत्सव का आज अनंतचतुर्थी के दिन समापन हो रहा है। दस दिनों तक भगवान गणेश की घरों और पंडालों में विशेष पूजन अर्चना कर सेवा की गई। आज सुबह से हो रही बारिश के बीच भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू हो गया है। प्रशासन द्वारा बनाए गए कृत्रिम कुंड में प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा रहा है। नगर में बने पांडालों में विराजे श्री गणेश जी का विसर्जन समितियों द्वारा ढोल ढमाको के साथ किया जा रहा है।अलग अलग पांडालों से लोगों ढोल ताशे पर झूमते हुए प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए कृत्रिम कुंड पर पहुंच रहे। विसर्जन का ये सिलसिला देर रात तक चलेगा।

नर्मदापुरम में हर्बल पार्क में प्रशासन ने कृत्रिम कुंड बनाकर तैयार किया है शुक्रवार को देर शाम कृत्रिम कुंड पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा भगवान श्री गणेश की वंदना कर मूर्ति विसर्जन शुरू कराया ।आज सुबह से ही विसर्जन के लिए लोग भगवान गणेश की प्रतिमा लेकर कृत्रिम कुंड पहुंच रहे हैं। यहां पर कुंड में विसर्जन करने के लिए गोताखोरों की और मूर्ति विसर्जन के लिए जेसीबी और क्रेन की व्यवस्था की गई है। मूर्ति लेकर आने वाले वाहनों के कुंड तक पहुंचने के लिए यातायात पुलिस ने मार्ग निर्धारित कर दिए है।

पांच कलेक्शन सेंटर बनाए ....

उपयंत्री दीक्षा तिवारी ने बताया कि नगर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पांच स्थानों पर प्रतिमा कलेक्शन सेंटर बनाए गए हैं। जिनमें ग्वालटोली सिंधी कालोनी, नर्मदा महाविद्यालय, हरियाली चौक, रसूलिया चौक, सतरस्ता शामिल हैं।

जगह-जगह तैनात है पुलिस बल

प्रतिमाओं के विसर्जन के चलते नगर में जगह जगह पुलिस बल तैनात है तो वही राजस्व ओर नगर पालिका कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है आला अधिकारी व्यवस्थाओं पर नजरे रखे हैं।

सुरक्षापूर्वक करें मूर्ति विसर्जन....

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि भगवान श्री गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए हर्बल पार्क में नगरपालिका द्वारा कृत्रिम कुंड बनाया गया है। जहां पर श्रद्धालुओं की मूर्ति विसर्जन करने हेतु नपा की टीम तैयार रहेगी। मां नर्मदा का जल स्तर बढ़ा हुआ है अत- सुरक्षार्थ दृष्टि से आप प्रतिमा का विसर्जन कृत्रिम कुंड में करें।

चल समारोह में शामिल झांकियों को समय पर तैयार करने की दी जिम्मेदारी

सिरोंज। अनंत चतुदर्शी के अवसर शनिवार को निकालने वाले गणेश प्रतिमाओं के चल समारोह और प्रतिमा विसर्जन की तैयारियां दिनभर चलती रही। इस बार भी गणेश की अथाई स्थित प्राचीन गणेश मंदिर द्वारा विशाल चल समारोह निकाला जाएगा। जिसकी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने सदस्यों को जिम्मेदारी के अनुरूप तत्परता से कार्य करने के साथ ही चल समारोह में शामिल झांकियों को समय पर तैयार करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि चल समारोह शनिवार शाम 6 बजे तक शुरू हो जाना चाहिए। जिससे के आम नागरिकों के साथ ही छोटे बच्चे भी इस महत्वपूर्ण आयोजन का आनंद ले सकें। कुरवाई रोड पर स्थित पंडित चंद्रमोहन शर्मा स्मृति सभागार से शुरू होने वाला चल समारोह छतरी नाका चौराहा, बामौरा रोड, कस्टम पथ, मुख्य बाजार, कोर्ट गेट चौराहा से होता हुए हाजीपुर स्थित जयस्तंभ चौराहा पहुंचेगा। चल समारोह में ग्रामीण क्षेत्र के लोक कलाकारों के साथ ही अनेक झांकियां भी सम्मिलित होंगी। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, भाजपा नेता एनडी साहू, पीके विश्वास, रमेश यादव, संतोष चौरे, ओपी दुबे और कृष्णबिहारी पांडे भी मौजूद थे।

भगवान वामन अवतार का जन्मोत्सव मनाया

गंजबासौदा। भगवान वामन अवतार जन्मोत्सव श्री शनिदेव शक्तिधाम पर धूमधाम से मनाया। सर्व प्रथम भगवान गणेश जी, भगवान वामन, भगवान परशुराम जी सहित सभी देवी देवता की प्रतिमा पर अभिषेक पूजन कर आरती की तत्पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। ब्राह्मण समाज का पूर्वी रेलवे कालोनी क्षेत्र का संपूर्ण सर्वे करने वाले श्री पुरुषोत्तम उपाध्याय का सम्मान किया। शनिदेव शक्तिधाम के संस्थापक दीपक तिवारी ने बताया कि त्रेतायुग के प्रारम्भ होने में भगवान विष्णु ने बक्सर में मां गंगा के तट पर सिद्धाश्रम स्थल पर वामन रूप उनके पिता ऋषि कश्यप और माता ऋषि अदिति के यहाँ हुआ था इसीलिए इस स्थान को वामन जन्मस्थली वामनाश्रम भी कहते हैं। इस अवसर पर सुनील बाबू पिंगले, मनोज एलिया,योगेश त्रिवेदी,शिवमोहन पाराशर, दीपक पराशर, दीपक शर्मा,अरुण तिवारी,भरत पाठक,दिनेश दंडोतिया, सावित्री देवी नरवरिया,नेवराज भावसार, मनमोहन बधेल, मनोहर रघुवंशी उपस्थित थे।

बिहारी जी सुबह और रामलला शाम को पहुंचे दरबार

सिरोंज। डोल ग्यारस पर जलविहार के बाद मंदिरों में विराजित ठाकुर जी का वापस मंदिरों में पहुंचने का क्रम चलता रहा। साहू समाज के बिहारी जी मंदिर में विराजित ठाकुर जी हाजीपुर में पहुंचे थे। यहां उन्होंने रामकिशन गौरीशंकर साहू के यहां रात भर विश्राम किया। इस बीच पूजा-अभिषेक, भंडारा और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके बाद शुक्रवार सुबह ठाकुर ही वापस विमान में विराजित होकर बासौदा नाका चौराह, लिंक रोड, छतरी नाका चौराहा और बामौरा रोड होते हुए वापस कठाली बाजार स्थित दरबार में पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह पर भक्तों ने उनकी पूजा कर आरती की। इसी तरह रामलला मंदिर में विराजित ठाकुर जी ने कठाली बाजार में संजय सोनी के निवास पर विश्राम किया। बृजराज मंदिर में विराजित ठाकुर जी ने शनिवार को नयापुरा मोहल्ले का भ्रमण किया। वे भूतेश्वर पथ स्थित मंदिर में पहुंचेंगे।

शिक्षकों का किया सम्मान

सिरोंज। सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णनन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस के अवसर पर संदीपनी विद्यालय में सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा स्मृति लोक कल्याण न्यास एवं लोक मंगल समिति द्वारा आयोजित आदर्श शिक्षक पंडित चंद्रमोहन शर्मा की स्मृति में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में वर्ष 2023 -24 में सेवानिवृत हुए 18 एवं 2024-25 में सेवानिवृत हुए 22 शिक्षकों का सम्मान किया गया। समिति के संरक्षक एवं विधायक उमाकांत शर्मा ने सेवानिवृत सभी शिक्षकों को केसरिया पगड़ी पहनकर शाल श्रीफल उत्तरीय एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। सांदीपनि विद्यालय में देर रात सम्पन्न हुए आयोजन को संबोधित करते हुए सेवानिवृत शिक्षक रघुनंदन शर्मा ने कहा कि शिक्षक कभी रिटायर्ड नहीं होता यह तो एक शासकीय व्यवस्था है। हमने निश्चित समय पर एक स्थान छोड़ा लेकिन अब पूरे समाज में हमारा स्थान प्रतिस्थापित हो गया है।

भिंड कलेक्टर ने निकाली म्यान से तलवार, नेता विपक्ष ने सरकार को घेरा

भिंड। जिले के कलेक्टर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा उनके विवाद की नहीं बल्कि हवा में तलवार लहराते की है। दरअसल, विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह के विवाद के बाद भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव म्यान से तलवार निकाल कर हवा में

लहराते हुए एक वीडियो में नजर आ रहे हैं। इनका तलवार लहराते हुए वीडियो सामने आया है वीडियो कलेक्ट्रेट का बताया जा रहा है जहां कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव म्यान से तलवार निकालकर उसे हवा में लहराते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने तलवार लहराते कलेक्टर का वीडियो जारी करते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा है कि कलेक्टर साहब ने भी म्यान से बाहर निकाल कर अपने तेवर जता दिए हैं। भिंड में खाद संकट और रेत को लेकर विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह एवं भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के बीच 27 अगस्त को जबर्दस्त विवाद हुआ था जिसपर प्रदेशभर में हल्ला मचा।

सिवनी जिले में आवारा कुत्तों के झुंड ने मासूम बच्ची की ले ली जान

सिवनी। दोपहर मेट्रो

आवारा कुत्तों के जानलेवा हमले का संकट टल नहीं रहा है। सिवनी जिले में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक मासूम बच्ची की जान ले ली। जानकारी के अनुसार सिवनी जिले के समनापुर गांव की 13 वर्षीय मासूम अवनी को कुत्तों के झुंड ने घेर लिया। अपनी सहेली के साथ घर से थोड़ी दूर निकली इस मासूम बच्ची को आवारा कुत्तों के झंडे ने बुरी तरह नौंच लिया जिससे उसकी जान चली गई। कुत्तों के हमले में अवनी की सहेली ने भाग कर जहां अपने आप को बचा लिया वहीं आवारा कुत्तों ने अवनी को बुरी तरह शिकार बनाया। घटना के बाद उपचार के लिए अवनी को अस्पताल ले जाया गया जहां मासूम अवनी ने प्राण त्याग दिए। उल्लेखनीय है कि लगातार हमलावर हो रहे आवारा कुत्ते अब आम नागरिकों के लिए संकट बन चुके हैं, हाल ही में मैं इन्हें लेकर सख्त एक्शन भी हुआ था, लेकिन अभी भी जानलेवा हमला थम नहीं रहा है। वही इस घटना से अवनी के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

खोंदूपुर की नदी में नहाते समय बह गया था युवक

लगातार 54 घंटे तक चले रेस्क्यू के बाद पुलिया के नीचे ही मिला युवक का शव

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

खोंदूपुर की नदी में नहाते समय बहा 19 वर्षीय अरूण पंथी का शव एनडीआरएफ की टीम को 54 घंटे बाद शुक्रवार शाम को मिला। अरूण अपने पिता अर्जुन के साथ नदी के पुलिया पर नहाने के लिए गया था। इसी दौरान वह तेज बहाव में बह गया। घटना की जानकारी लगने पर तुरंत ही प्रशासन भी मौके पर पहुंचा। दोपहर में ही मौके पर एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई थी और उसकी तलाश शुरू कर दी। बुधवार को अंधेरा होने तक यह तलाश चलती रही। इसके बाद गुरूवार को भी प्रशासन की टीम खाली हाथ रही। मामले को लेकर विधायक उमाकांत शर्मा ने सर्चिंग ऑपरेशन तेज करने के लिए अधिकारियों से चर्चा की थी। इसके बाद शुक्रवार को मौके पर एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची।

बारिश के बीच टीम ने रेस्क्यू किया। इस दौरान दिनभर ग्रामीण भी मौके पर डटे रहे। एनडीआरएफ की टीम को शाम को अरूण का शव मिला। एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि युवक का शव पुलिया पर ही नीचे की ओर फंसा हुआ था। नदी का पानी कम होने के बाद शव मिल सका। पीएम शनिवार को होगा।

पथराई आंखों से कपूरीबाई रोज करती है पति का इंतजार

संतोष सिंह चंदेल, सिवनी /मालवा

भोपाल के मेडिकल कॉलेज की टीम 9 दिसंबर 2023 को नगर से करीब 40 किमी दूर आदिवासी अंचल के भावंदा गांव पहुंची। भोपाल के अस्पताल में मुफ्त इलाज के पर्चा बांटे। 10 दिसंबर 2023 को खाना, रहने, इलाज करवाने की बात कहकर 16 लोगों को अपने वाहनों से भोपाल ले गए। गांव के सब लोग तो लौट आए लेकिन ग्राम भावंदा का बुजुर्ग बुधराम भोसारे (65) 11 दिसंबर 2023 को अस्पताल से लापता है।

बुजुर्ग बुधराम भोंसारे की पत्नी कपूरी बाई अपने घर के दरवाजे पर पथराई आंखों से उसका इंतजार कर रही है। हालांकि लापता बुजुर्ग के बेटे

लापता बुधराम भोसारे पत्नी कपूरी बाई

हरनाम ने फोटो लेकर भोपाल के कई क्षेत्रों में पिता को तलाशा लेकिन वे नहीं मिले। कोलार थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई अपना पता भी लिखाया, आधार कार्ड भी देकर आए लेकिन बुजुर्ग बुधराम आज तक घर वापस नहीं लौटे और ना ही उसकी कोई सूचना मिली बुधराम के बेटे ने बताया कि पिता को कम दिखता था और कमजोरी भी थी। इसलिए वे मां कपूरी बाई के साथ भोपाल के अस्पताल गए थे। महिलाओं को दूसरे वार्ड में रखा था। इस बीच पिता लापता हो गए। अस्पताल वाले भी कुछ नहीं बता रहे। अस्पताल प्रबंधन ने मां से कोलार थाना भोपाल में पिता बुधराम भोसारे के गुम होने की शिकायत दर्ज करवाई। पिता नहीं मिले तो मैं मां को साथ गांव ले आया। धीरे- धीरे गांव के सभी लोग वापस लौट आए, लेकिन पिता बुधराम 20 माह बाद भी आज तक घर वापस नहीं लौटे वे कहां है, जिंदा भी है या नहीं हमें कुछ नहीं पता।

शिक्षक दिवस पर किया शिक्षकों का सम्मानित

गंजबासौदा। शासकीय प्राथमिक शाला कालापठार मे शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य गायत्री नरेन्द्रसिंह रघुवंशी शाला में शिक्षको का सम्मान करने पहुंचीं। उन्होंने सर्व प्रथम मां सरस्वती और डॉ राधाकृष्णन के चित्र पर तिलक लगाकर माल्यापर्ण किया। इसके उपरांत शिक्षक शाला प्रभारी प्रथ्वीसिंह रघुवंशी, गोपालदास अहिरवार, रानी रघुवंशी माधवी भाटिया, तृप्ति तिवारी का सम्मान शाल श्रीफल से किया गया। साथ में शाला में निशुल्क शिक्षा दे रही आरती अहिरवार, कंचन अहिरवार का सम्मान किया। जिला पंचायत सदस्य गायत्री नरेन्द्र सिंह रघुवंशी ने कहा कि शासकीय प्राथमिक शाला एक उत्कृष्ट सर्वसुविधा युक्त शाला है छात्रों की शिक्षा और संस्कार देखकर हमे बहुत प्रसन्नता हो रही है यहां सिर्फ एसी की कमी नजर आ रही है वह में मेरी तरफ से लगवाऊंगी। गायत्री रघुवंशी ने कहा कि हमें गुरु शिक्षक की कृपा से ही सच्ची राह मिलती है उनका आशीर्वाद हमारे जीवन को खास बना देता है। शिक्षक का सम्मान सबसे बडा है हमे जीवन में उनके बताए हुए रास्ते पर ही चलना चाहिए उन्होने पूर्व राष्टपति और शिक्षक सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीबन पर प्रकाश डाला। कंचन अहिरवार ने कहा कि हम जीबन मे आगे कैसे बडे हमारा चरित्र कैसा हो हम अनुशासन मे कैसे रहे आदि बाते भी सिखाते है वही शिक्षक माधवी भाटिया ने कहा कि तुम्हारी शाला के शिक्षक बहुत अच्छे है आप भटके नहीं गलत रास्ते पर ना जाएं मन लगाकर पडकर आगे बढे यह तुम्हे सिखाते हैं शिक्षक। शाला प्रभारी प्रथ्वी सिंह रघुवंशी ने कहा कि हमने शासकीय प्राथमिक शाला कालापठार के छात्रों को अपने स्वयं के बच्चो के समान समझा है शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण मे कोई कसर नहीं छोड़ी हमेशा आगे बढ़ने गलत रास्ते पर नही चलने की सलाह दी है।

मेट्रो एंकर

शिक्षक दिवस पर पॉलिटेक्निक अतिथि विद्वान संघ ने दिया धरना....

12 माह का फिक्स वेतन और 65 वर्ष तक स्थाई नियुक्ति करने की मांग

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

पॉलिटेक्निक अतिथि विद्वान (व्याख्याता) संघ ने शिक्षक दिवस को मजदूर दिवस के रूप में मनाया। पॉलिटेक्निक अतिथि विद्वानों ने नर्मदापुरम में पीपल चौक पर 12 माह फिक्स वेतन, 65 वर्ष तक स्थाई नियुक्ति करने समेत अन्य मांगों को लेकर धरना दिया और नारेबाजी भी की।संभागीय धरने में हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, इटारसी की पॉलिटेक्निक कॉलेज में कार्यरत अतिथि विद्वान शामिल हुए।

अतिथि विद्वानों ने पीपल चौक पर सद्बुद्धि यज्ञ भी किया। उन्होंने अधिकारियों को भगवान से सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। ताकि उनकी मांगों पर विचार कर आदेश दिए जाएं। हवन के बाद पीपल चौक से कलेक्ट्रेट गेट तक सभी ने रैली निकाली। प्रमुख सचिव के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया।संघ के प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पस्टारिया

ने बताया सभी अतिथि व्याख्याता को 5 अक्टूबर 2023 के आदेश अनुसार 12 माह शैक्षणिक सत्र होने के बावजूद केवल 11 माह का वेतन दिया जाता है। जबकि शैक्षणिक गतिविधियां जैसे परीक्षा ड्यूटी, मूल्यांकन कार्य, प्रैक्टिकल एग्जाम अन्य और भी कार्य अतिरिक्त 12 माह में अतिथि व्याख्याता के द्वारा संपादित किए जाते हैं।

11 माह की अनुबंधन अवधि समाप्ति बाद राजीव गांधी विश्वविधालय भोपाल के आदेश अनुसार संस्था प्राचार्य द्वारा परीक्षा में वीक्षकीय ड्यूटी के दौरान मात्र 75/- रुपए अति अल्प मानदेय अतिथि व्याख्याताओं को दिया जाता है। जो कि 3 घंटे परीक्षा ड्यूटी के बाद आधे से अधिक दिन का बहुत ही नगण्य और अल्प मानदेय है। अतिथि व्याख्याताओं को इस कार्य के दौरान विभागीय आदेश 05.10.2023 अनुसार 2 हजार रुपए प्रति दिवस भुगतान दिया जाएं। अतिथि विद्वान शिवांगी मालवीय ने बताया हम शिक्षक कम वेतन में कॉलेज में बच्चों को लम्बे समय से पढ़ा रहे है। लेकिन पूरे 12 माह का वेतन नहीं दिया जाता है। शिक्षक दिवस के हमने मजदूर दिवस के रूप में मनाया है। धरना प्रदर्शन कर अधिकारियों की सद्बुद्धि के लिए यज्ञ किया है।

इस दौरान संघ के बसंत सिंह धुर्वे, अभिषेक पुरोहित, पल्लवी शर्मा, शिवांगी मालवीय, अमित गौर, समेत अन्य मौजूद रहे।

जंगल हो रहा साफः झलौन से तेंदूखड़ा सड़क मार्ग के दोनों किनारों पर दिख रहे ठूंठ

जिम्मेदार खमोश.... हाइवे किनारे लगे हरे-भरे सागौन के पेड़ों पर बेरहमी से चल रही कुल्हाड़ी

विशाल रजक, तेंदुखेड़ा

सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे 15 मुख्य सड़क मार्ग झलौन से तेंदूखड़ा सड़क मार्ग के दोनों किनारों पर लगे हरे-भरे पेड़ों पर बेरहमी से कुल्हाड़ी चलती हुई दिखाई दे रही है, जिसके सबूत ताजे ठूंठ दिख रहे हैं। राहगीरों और पर्यावरण प्रेमियों द्वारा इन ठूंठों के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर जंगल में लकड़ी तस्करों के कारनामों को उजागर किया जा रहा है नगर से लगभग 8 किलोमीटर दूर नाग बाबा की पुलिया के पास सागौन के दो भारी भरकम पेड़ों को कुल्हाड़ी से काटा गया है। पेड़ की टहनियों को मौके पर छोड़ते हुए भारी भरकम पेड़ का हिस्सा तस्कर ले उड़े हैं। जिस जगह से पेड़ काटे गए हैं उससे लगभग 50 फीट दूर पर सागर-जबलपुर हाईवे लगा हुआ है जहां 24 घंटे वाहनों का आना-जाना लगा रहता है तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र में चारों तरफ घना जंगल होने के कारण तस्करों द्वारा लकड़ी काटकर आसानी से उपयोग कर ली जाती है। जबकि तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र ही हर बीट में वन चौकी बनी हुई है लेकिन उनमें कोई भी वनकर्मी वहां मौजूद नहीं रहता है।

वन चौकी में रहने वाले परिक्षेत्र अधिकारी बीटगार्ड को इन लकड़ियों के ठूंठ की भनक भी नहीं लगती है। जंगल साफ होता जा रहा है। जिसका परिणाम साफ नजर आता है कि वन अधिकारी रात्रि में गश्ती का दावा तो करते हैं तो फिर पेड़ों को काटने वाले क्यों इनकी पकड़ से दूर रह जाते हैं क्योंकि वन विभाग के जिम्मेदार अंजान बनकर अपने दफ्तर में बैठे हुए हैं और आराम फरमा रहे हैं।

जांच हो तो जंगलों में मिल जाएंगे सैकड़ों ठूंठ

जानकारी के अनुसार तेंदूखेड़ा उप-वनमंडल के तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगलों में स्थानीय वनकर्मियों की मिलीभगत पेड़ों की अवैध कटाई कराई जाती है। तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की इन सभी बीटों का निरीक्षण किया जाए तो यहां पर सैंकड़ों पेड़ों के ठूंठ मौके पर मिल जाएंगे यहां सबसे अधिक सागौन के पेड़ों को काटा जाता है। वहीं अगर वन परिक्षेत्र के हर बीट में जांच की जाए तो हजारों ठूंठ ओर पेड़ों के अवशेष मौके पर मिल सकते हैं लेकिन अधिकारियों द्वारा नुकसानी दर्ज नहीं की जाती है। इससे सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है

वन परिक्षेत्र में ज्यादा कटाई

करीब 30 वर्ष पूर्व उपवन मंडल तेंदूखेड़ा के अंतर्गत बेशकीमती सागौन, अचार, बीजा आदि के औषधीय पेड़ अत्यधिक मात्रा में थे। इन पेड़ों व यहां पर अन्य जाति के पेड़ होने से जिसकी वजह से यह वनांचल क्षेत्र के नाम से जाना जाता था। यहां के चार वन परिक्षेत्रों में सबसे ज्यादा अवैध कटाई तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र में हुई है। इस वन परिक्षेत्र में पहले की अपेक्षा अब सागौन गिने चुने क्षेत्रों में ही देखने मिल रहा है। तेंदूखेड़ा उप-वनमंडल में तेंदूखेड़ा, तारादेही, झलौन, तेजगढ़ परिक्षेत्र आते हैं। इन चारों परिक्षेत्र में से अवैध कटाई हो रही है लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की सबसे ज्यादा पेड़ों की कटाई होना पाया गया है। कई जगह पेड़ काटकर खेती की जाने लगी है। इसी तरह तेंदूखेड़ा वनपरिक्षेत्र की केवलारी में भी हजारों एकड़ वनभूमि में खेतीबाड़ी की जाने की बात ग्रामीणों द्वारा कही जा रही है।

नहीं किया जा रहा है निरीक्षण

स्टेट हाईवे सहित वन परिक्षेत्र में चल रही कटाई को लेकर अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। वह कागजों में केवल अपनी गश्ती व उपस्थिति दर्शाते है। उनके द्वारा लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर अवैध कटाई को रोका जा रहा है। न तो अवैध कटाई रोकने का नाम ले रही है और न ही अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है।

112 डायल वाहन को दिखाई हरी झंडी

सिवनी मालवा। नगर में 100 डायल की जगह पर मिली 112 डायल की बड़ी सौगात अब नागरिकों की तत्पर मदद के लिए हाजिर होगी।पुलिस सहायता 112 नंबर डायल वाहन को एसडीओपी कार्यालय के सामने से एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान, एसडीएम सरोज सिंह परिहार, थाना प्रभारी राजेश दुबे तहसीलदार ने नए वाहन की पूजन कर पुष्प माला पहनकर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

स्थानीय शिक्षकों को किया सम्मानित

तेंदूखेड़ा। शिक्षक दिवस के मौके पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखा द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर बैंक प्रबंधक आशीष कुमार वर्मा , सर्विस मैनेजर शुभम कुमार सहित समस्त बैंक कर्मचारियों ने शिक्षकों के योगदान को नमन करते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल भेंट किए। बैंक प्रबंधक वर्मा ने कहा कि शिक्षक हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनका मार्गदर्शन ही हमारे भविष्य की दिशा तय करता है। ब्लॉक शिक्षक संघ के अध्यक्ष गुड्डा सिंह ठाकुर , बृजराज सिंह परिहार ,राजकुमार शर्मा ,नत्थू पटेल , गुलाब सिंह ठाकुर ,उमेश उपाध्याय ,दिलीप द्विवेदी , सवेंश् गर्ग ,अभिनंदन दुबे ,शैलेंद्र यादव आदि शिक्षक उपस्थित रहे एवं समस्त शिक्षक संघ की ओर से बृजराज सिंह परिहार ने शाखा प्रबंधक वर्मा का शाल श्रीफल देकर सम्मान किया शिक्षकों ने इस सम्मान को पाकर प्रसन्नता व्यक्त की और आभार प्रकट किया।

पयुर्षण पर्व पर दशलक्षण धर्म

न तेरा है न मेरा है जग चिड़िया रैन बसेरा है : बसंत महाराज

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में वर्षावास हेतु आए इतिहास रत्नाकर बाल ब्रम्हचारी बसंत महाराज ने पर्वाधिराज पयुर्षण पर्व पर दसलक्षण धर्म पर प्रवचनों की श्रृंखला में नवम दिवस में उत्तम आकिंचन्य धर्म के विषय मे बतलाते हुये कहा कि परिग्रह के अभाव में आकिंचन्य धर्म प्रगट होता है। आत्म श्रद्धान पूर्वक परिग्रह का त्याग करना उत्तम आकिंचन्य धर्म कहलाता है।

संसार में एक कण मात्र भी कुछ भी मेरा नहीं है, ऐसा निस्पृह भाव का प्रकट होना आकिंचन्य धर्म है। महान संत श्रीमद जिन तारण तरण स्वामी महाराज ने ज्ञानसमुच्चय सार जी ग्रंथ में कहा है कि धन धान्य आदि संयोग अभ्र(बादल की) पटल के समान क्षणभंगुर नाशवान है तथा चैतन्यता से रहित है,पाप आदि से यह है, अपने शुद्ध स्वरूप को स्वीकार करके इनसे ममत्व छोड़ना ही उत्तम आकिंचन्य धर्म है। आकिंचन्य धर्म छुड़वाता, मोह परिग्रह घेरा है। न तेरा है,न मेरा है,जग चिड़िया रैन बसेरा है। इस संसार मे कुछ भी मेरा नही,सब यही छोड़कर जाना हैं,इसलिये अपने आत्मपने मे विशुद्ध भावों से रमना ही अपनी आत्मा का कल्याण करना है और जग के मोह,जन्म मरण के चक्र से विरक्त होने का उपाय हैं। श्री तारण गुरु बसंत मण्डल द्वारा रात्रि बेला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के क्रम में संदेशप्रद नाटिका-एक अद्भुत कहानी,अपने सन्तो की वाणी सुनकर भी जिनधर्म की महिमा न जानी,ठुकरा चली अपनो का प्यार जब महलों की राजकुमारी इस नाटिका का बहुत ही मनोरम शानदार मंचन हुआ,जिसमे बताया गया कि-वर्तमान में किस प्रकार लड़के लड़कियों में समझ बूझ की कमी होती है,जिन्होंने जीवन भर उनके हर जरूरतों का ख्याल रखा और उनके भविष्य को लेकर सजगता से सोचते हैं ऐसे माता-पिता को ठुकराकर अनजान व्यक्ति के साथ कुछ ही समय मे जीवन बिताने का ख्वाब देखती है और भागकर शादी भी कर लेती हैं।

नगरनिगम और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तमाचा, विधायक ने दी हिदायत

मुख्य बाजार कटरा में दुकानदार लाइन के अंदर सामान रखें, वाहन चालकों को मिली फटकार

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर के मुख्य बाजारों में ट्रैफिक व्यवस्थाओं को लेकर अब जनप्रतिनिधि सड़कों पर उतर आए हैं। यह एक तरह से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर तमाचा समझा जा रहा है। दरअसल नगर के मुख्य बाजार कटरा और उसके चारों ओर फुटपाथों पर बेतहाशा अतिक्रमण, फल, सब्जी के ठेलों, बेतरतीब खड़े ऑटो रिक्शा यातायात व्यवस्था को बदहाल कर रहे हैं। नगर निगम और पुलिस इस काम में निकम्मा साबित होने के चलते अब नगर विधायक शैलेंद्र जैन मैदान में उतर आए हैं।

विधायक शैलेंद्र कुमार जैन सुबह मुख्य मार्गों पर भ्रमण पर निकले जहां उन्होंने पथ विक्रेताओं व वाहन चालकों को सफेद लाइन के भीतर दुकान लगाने व वाहन खड़े करने के की अपील की। बीच सड़क पर खड़ी स्कूल बस सवारी,ऑटो, माल वाहक को देखकर उन्होंने वाहन चालकों को

जमकर फटकार लगाई। भ्रमण के दौरान विधायक जैन ने स्वयं बुजुर्ग फल व्यावसायी के साथ दुकान का सामान सफेद लाइन के भीतर कर व्यवस्था में सहयोग के लिए आग्रह किया और उनका सामान स्वयं उठाने में सहयोग करके गांधी गिरी का परिचय दिया।विधायक जैन ने स्थानीय जनों से भी व्यवस्था में सहयोग की अपील की व व्यवस्था का उल्लंघन करने वाले पथ विक्रेताओं व वाहन चालकों की फोटो,वीडियो उपलब्ध कराने का आग्रह किया ताकि सख्त कार्यवाही की जा सके।

जेल से लापता हुआ जवान लखनऊ में मिला

सागर. । दोपहर मेट्रो

जेल ड्यूटी के बाद लापता हुए बटालियन के आरक्षक बनवारी लाल शिवहरे को पुलिस ने लखनऊ में ढूंढ लिया है। बताया जा रहा है कि आरक्षक पारिवारिक समस्याओं के चलते तनाव में था, जिसके कारण वह ड्यूटी से भागा था। पुलिस ने उसके दूसरे मोबाइल से लोकेशन पता की तो लखनऊ उत्तरप्रदेश में मिली। इसके बाद पुलिस आरक्षक के रिश्तेदारों को लेकर लखनऊ गई और वहां से भोपाल लेकर आई। वह गुना भागने की फिराक में था लेकिन पुलिस अधिकारी उसे समझा सागर ले आए और सकुशल परिजनों को सुपुर्द कर दिया। थाना प्रभारी, गोपालगंज राजेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया की पूछताछ में आरक्षक ने बताया कैमरों से बचने जेल के पीछे की ओर से भागा था. जवान शिवहरे बीते मंगलवार को ड्यूटी करने के बाद गायब हुआ था। भागते समय उसे डर था कि वह सीसीटीवी कैमरों या पुलिस सहित किसी अन्य की नजर में आ सकता है, इसलिए वह जेल के पीछे की ओर से भागा और गलियों से होता हुआ बस स्टैंड गया।

गुना में पुलिस कांस्टेबल की क्रूरता

ठगी के शिकार युवक को जिंदा जलाया, इलाज के दौरान मौत

गुना, दोपहर मेट्रो

जिले के चाचौड़ा में चंदन गुर्जर ने पुलिस कॉन्स्टेबल सुरेंद्र भील पर जिंदा जलाकर मारने का आरोप लगाया। विवाद 4.70 लाख रुपए के नकली सोने लेनदेन को लेकर हुआ था। चंदन गंभीर झुलस गया और भोपाल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन पैसे लेने का ठोस सबूत नहीं मिला। गुना से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस पर युवक को जिंदा जलाकर मारने के आरोप लगे हैं। जिले के चाचौड़ा में युवक ने पुलिस कॉन्स्टेबल पर हत्या की कोशिश करने का आरोप लगाया था। युवक का कहना था कि लेनदेन के विवाद में कॉन्स्टेबल ने उसके शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। अब युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस शिकायत दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। कुलंबेह गांव निवासी पीड़ित चंदन गुर्जर ने पुलिस को बताया कि करीब पांच महीने पहले उसके मित्र मांगीलाल गुर्जर ने फतेहगढ़ के एक व्यक्ति से 200 ग्राम सोना 4 लाख 70 हजार रुपए में खरीदा था। ये सोना जांच में नकली निकला। इस पर चंदन ने अपने परिचित कॉन्स्टेबल सुरेंद्र भील से मदद मांगी। रुपए वापस दिलाने की बात कही।चंदन का आरोप है कि सुरेंद्र ने मदद के बदले एक लाख रुपए की मांग की। उसने 40 क्विंटल गेहूं बेचकर यह रकम सुरेंद्र को दे दी।

कई पीढ़ियों के संघर्ष से भाजपा सफलता के शिखर पर पहुंची: भार्गव

भाजपा सागर ग्रामीण की परिचयात्मक बैठक

सागर, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी सागर ग्रामीण की कार्यकारिणी गठन के बाद गढ़ाकोटा स्थित गणनायक कार्यालय में परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में नव नियुक्त पदाधिकारियों को शाल श्री फल से सम्मानित किया गया व आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक पं.गोपाल भार्गव ने कहा कि जिले में में नेतृत्व परिवर्तन के साथ एवं नई कार्यकारिणी का गठन हुआ है जिनमें हमारे नए पदाधिकारी चुन कर आए हैं जिन्हें अब वरिष्ठों के संघर्ष की विरासत को आगे लेकर जाना है। कई पीढ़ियों के संघर्ष और परिश्रम से आज

भारतीय जनता पार्टी सफलता के शिखर पर पहुंची है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी और जवाबदेही और ज्यादा हो जाती है। हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं हमें अपनी विचारधारा के अनुरूप पूर्ण समर्पण भाव से निरन्तर काम करना है। सांसद राहुल सिंह ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता देश और जनता की सेवा के लिए राजनीति में आए हैं। हमारा संगठन जितना अधिक मजबूत होगा, हम जनता की सेवा उतना बेहतर तरीके से कर सकते हैं। जिला अध्यक्ष रानी कुशवाहा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्ण समर्पण भाव के साथ सभी नवनियुक्त पदाधिकारी सामूहिक रूप से कार्य करेंगे।

बैठक में युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक भार्गव,देवरी विधायक प्रतिनिधि प्रियंका पटैरिया,जिला महामंत्री मितेंद्र मोनू चौहान,उमा कृष्णखटीक,राजेंद्र तिवार, अनिल ढिमोले,लक्ष्मण सिंह लोधी,उषा उमेश श्रीवास्तव, दौलत यादव, शैलेंद्र सिंह ठाकुर,विवेक मिश्रा, अभिजीत सिंह राजपूत, कस्तूरी गोविंद कुर्मी,जिला मंत्री, अमित नायक, सविता संतोष रोहित, आकांक्षा अभय जैन उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर आज प्रथम पूज्य भगवान गणेश को देंगे आज विदाई

जल स्त्रोतों में नहीं, अस्थाई कुंडों में करेंगे भगवान श्रीगणेश का विर्सजन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर आज घर-घर एवं विभिन्न पण्डालों में विराजित प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए निकाला जाएगा। बाजे-गाजे के साथ श्रद्धालु गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन प्रशासन द्वारा तैयार कराए गए कुण्डों में करेंगे। कई गणेश भक्तों का कहना है कि उन्होंने संपूर्ण गणेशोत्सव के दौरान भगवान गणेश जी का विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन किया है, श्रद्धालुओं का कहना है को जब बप्पा का विसर्जन के लिए निकाला जाएगा तो उस समय शासन से निर्धारित कुण्डों में ही गणेश प्रताओं का विसर्जन किया जाएगा। इन युवाओं का कहना है कि हमारा प्रयास रहता है कि जिस सम्मान, भक्ति-भाव के साथ गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई थी उसी सम्मान के साथ प्रथम पूज्य गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई है। उसी सम्मान के साथ विसर्जन भी कराया जाएगा।

विसर्जन के बाद भी प्रतिमा के सम्मान में कोई कमी न आए

भरत रजक ने बताया कि हमारे द्वारा घर पर भगवान गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना कराई गई है हमने संपूर्ण गणेशोत्सव के दौरान पंडाल के आसपास स्वच्छता का विशेष ध्यान देकर लोगों को स्वच्छता का संदेश देने का काम किया है। हम प्रतिमा का विसर्जन शासन द्वारा निर्धारित कुंड में ही करेंगे।

-भरत रजक, तेन्दूखेड़ा

बृजेश यादव कहते हैं कि हमारे द्वारा घर पर भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना में ऐसी प्रतिमा का चयन किया जाता है, जिनके निर्माण में हानिकारक पेंट आदि का उपयोग न किया गया हो, इसके बाद भी जब हम प्रतिमा को विसर्जित करने के लिए लेकर जाते हैं तो बनाए गए अस्थायी कुण्ड में प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

-बृजेश यादव झलौन तेंदूखेड़ा

कई बार विसर्जन के बाद प्रतिमाओं के अवशेषों की स्थिति देखकर दुख होता है, हमारा प्रयास होता है कि प्रतिमा का विसर्जन ऐसी जगह में किया जाए, जिससे जल स्त्रोतों को कोई नुकसान न हो और विसर्जन के बाद भी प्रतिमा के सम्मान में कोई कमी न आए, इन सबके लिए अस्थायी कुण्ड ही बेस्ट ऑप्शन हैं

-आकाश साहू तेंदूखेड़ा

हर्ष प्रताप राजपूत कहते हैं कि पर्यावरण संरक्षण व मिट्टी के गणेश से प्रेरित होकर हर बार हर वर्ष मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा को स्थापित करते हैं और साथ ही लोगों को मिट्टी की प्रतिमाओं के लिए जागरुक करते हैं। आज घर पर ही गणेश प्रतिमा का विसर्जन कुंड बनाकर करेंगे, ताकि जलीय जीवों को किसी प्रकार की हानि न हो।

-हर्ष प्रताप राजपूत तेन्दूखेड़ा

पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म दिवस मनाया

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में अंजुमन इस्लामिया कमेटी एवं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्म दिवस जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सुबह सादिक के समय सऊदी अरब के मक्का शहर में हुआ था इसलिए हर वर्ष 12 तारीख रबी उल अव्वल उर्दू कैलेंडर को मनाया जाता है इसी उपलक्ष्य में तेंदूखेड़ा जमा मस्जिद में रात में मिलाद का प्रोग्राम रखा गया और सुबह 9 बजे से जुलूस जामा मस्जिद तेंदूखेड़ा से होता हुआ पंचवटी मंदिर खगड़िया रोड बाजार थाना रोड से होता हुआ राम मंदिर से होता हुआ जबलपुर रोड स्थित मदरसे में इसका समापन हुआ इस जुलूस में मुस्लिम समुदाय के हजारों लोगों ने भाग लिया कोई झंडों को बुलंद करके लहरा रहा था तो कोई नबी की शान में नात गुनगुना रहा था तो कोई नारे लगा रहा था हुजूर की आमद मरहबा आका की आमद मरहबा लब्बैक या रसूल अल्लाह यह जुलूस वार्ड 8 विद्यानगर में समापन हुआ।

टीम विदेशी, दिल हिन्दुस्तानी...

ओमान, हॉन्ग कॉन्ग, यूएई को जिताने उतरेंगे कई भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप 2025 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है. इस बार टी20 फॉर्मेट में 9 सितंबर से शुरू होने वाले फॉर्मेट में भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, ओमान, हॉन्ग कॉन्ग और यूएई टीमें खेल रही हैं। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला अफगानिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग के बीच होना है। वहीं भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 10 सितंबर को मेजबान यूएई के खिलाफ खेलेगी। इस टूर्नामेंट में खेलने उतर रही ओमान, हॉन्ग कॉन्ग और यूएई जैसी टीमों में कई खिलाड़ी ऐसे हैं, जो भारतीय मूल के हैं।

एशिया कप में खेल रही ओमान की टीम में कितने भारतीय मूल के खिलाड़ी?

ओमान के कप्तान 36 साल के जतिंदर मूल रूप से पंजाब के लुधियाना से हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 2015 में अपना टी20 डेब्यू किया था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 64 टी20 मैचों में 24.54 के एवरेज से 1399 रन बनाए हैं। वहीं 61 मैचों में उन्होंने 1704 रन बनाए हैं। टीम के विकेटकीपर विनायक शुक्ला भी भारतीय मूल के हैं। इसके अलावा करन सोनावले, आर्यन बिष्ट, आशीष ओडेडेरा भी भारतीय मूल के हैं। वहीं ओमान की टीम में पाकिस्तानी मूल के आमिर कलीम, मोहम्मद नदीम, मुहम्मद इमरान, नदीम खान, शाह फैसल भी शामिल हैं।

एशिया कप 2025 के लिए ओमान का स्क्वॉड: जतिंदर सिंह (कप्तान), हम्माद मिर्जा, विनायक शुक्ला, सुफियान यूसुफ, आशीष ओडेडेरा, आमिर कलीम, मोहम्मद नदीम, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, करण सोनावले, जिकरिया इस्लाम, हसनैन अली शाह, फैसल शाह, मोहम्मद इमरान, नदीम खान, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव।

एशिया कप 2025 में खेल रही यूएईकी टीम में कितने भारतीय मूल के खिलाड़ी?

एशिया कप 2025 के लिए यूएई टीम की कमान मोहम्मद वसीम के हाथों में होगी। इस टीम में आर्यंश शर्मा, ध्रुव पाराशर, हर्षि?त कौशि?क, राहुल चोपड़ा, सिमरनजीत सिंह भारती मूल के हैं। वहीं टीम में केरल में जन्मे अलीशान शराफू भी शामिल हैं। इसके अलावा यूएई की टीम में पाकिस्तानी मूल के आसिफ खान, हैदर अली, जुनैद सिद्दीकी भी शामिल हैं।

यूएई की टी: मोहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, आर्यंश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पाराशर, ईथन डी'सूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मोहम्मद फारूक, मोहम्मद जवदुल्लाह, मोहम्मद जोहेब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

एशिया कप 2025 में हॉन्ग कॉन्ग टीम की कप्तानी यासिम मुर्तजा कर रहे हैं। जो पाकिस्तानी मूल के हैं, 34 साल के यासिम पाकिस्तान में घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं. वहीं टीम में पाकिस्तानी मूल के बाबर हयात, जीशान अली, नियाजकत खान मोहम्मद, आदिल महमूद, शाहिद वासिफ, अनस खान शामिल हैं. वहीं इस टीम में भारतीय मूल के अंशुमन रथ भी हैं, 27 साल के रथ ओडिशा के लिए रणजी ट्रॉफी में खेल चुके हैं. इस अलावा हॉन्ग की टीम में भारतीय मूल के आयुष आशीष शुक्ला, किंचित शाह शामिल हैं.

हॉन्ग कॉन्ग की टीम: यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, नियाजकत खान मोहम्मद, नसुल्ला राणा, मार्टिन कोएत्ज़ी, अंशुमन राठ, कल्हान मार्क चालू, आयुष आशीष शुक्ला, मोहम्मद जाज खान, अतीक-उल-रहमान इकबाल, किनचित शाह, आदिल महमूद।

यूएस ओपन विमेंस सिंगल: गत चैंपियन सबालेंका की फाइनल में एंट्री,

खिताबी मुकाबले में चुनौती पेश करेंगी अमेरिका की अमांडा

27 वर्षीय सबालेंका दूसरे सेट में पहले बढ़त लेने में कामयाब

न्यूयॉर्क , एजेंसी

यूएस ओपन 2025 अब अपने अंतिम पडाव पर पहुंच गया है। यूएस ओपन की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ने विमेंड सिंग्ल्स के फाइनल में पहुंच गई है। अब उनका आखिरी मुकलाबला अमेरिका का खिलाड़ी और वर्ल्ड नंबर-8 रैंकिंग खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना ने सेमीफाइनल में चैथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त फाइनल में प्रवेश किया।

रोमांचक तीन सेटों वाले मुकाबले की शुरुआत में जेसिका पेगुला ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने बेहद सटीक तथा संयमित पहला सेट खेला, जिससे सबालेंका लगातार असंतुलित रहीं। उन्होंने सिर्फ तीन अनफोर्स्ड एरर किए और रिटर्न पर आक्रामक बनी रहीं। 27 वर्षीय सबालेंका दूसरे सेट में पहले बढ़त लेने में कामयाब रहीं। उन्होंने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई और अंततः मैच को निर्णायक सेट तक ले गईं।

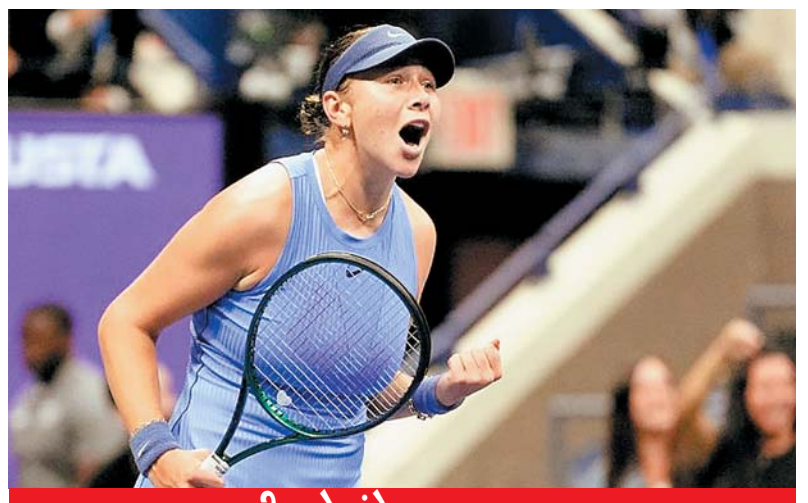

करीब दो घंटे चला मुकाबला

तीसरे सेट की शुरुआत में 30-40 पर सर्व करते हुए पेगुला ने फोरहैंड बाउंड्री लाइन से बाहर भेज दिया और खुद मुश्किल में पड़ गईं। अमेरिकी खिलाड़ी ने सबालेंका की सर्विस पर दबाव बनाना जारी रखा। छठा गेम करीब नौ मिनट तक चला, लेकिन 30 वर्षीय पेगुला सात में से केवल दो ब्रेक के मौकों को ही भुना पाईं। 5-4, 40-30 के स्कोर पर मैच के लिए सर्विस करते हुए, सबालेंका ने एक सामान्य ओवरहेड शॉट नेट में मारा। पेगुला ने एक और मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन तीसरा प्वाइंट नहीं बचा पाईं। इसी के साथ वह दो घंटे पांच मिनट तक चले मुकाबले को गंवा बैठीं। यह सबालेंका का लगातार पांचवां यूएस ओपन सेमीफाइनल था। उनसे पहले न्यूयॉर्क में लगातार पांच सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पिछली खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थीं। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने साल 2011-2016 के बीच यह कारनामा किया।

भांबरी और वीनस का सफर सेमीफाइनल में थमा

न्यूयॉर्क। भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में हार गए, जो किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भांबरी और वीनस को नील स्कूप्स्की और जो सैलिसबरी की छठी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश जोड़ी से रोमांचक मुकाबले में 7-6 (2) 6-7 (5) 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे पहले भारतीय खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया था। दिल्ली के रहने वाले 33 वर्षीय भांबरी ओपन युग में लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल चौथे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। भांबरी और वीनस की जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और अंतिम चार तक के अपने सफर में वरीयता प्राप्त जोड़ियों को भी हराया। हार के बाद भांबरी ने कहा, 'यह मेरे लिए एक विशेष सप्ताह रहा है। इस स्तर पर खेलना और किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ा क्षण है।पिछले दशक में कई चोटों से जूझने वाले दिल्ली के इस खिलाड़ी के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ी सफलता है

महिला एशिया कप हॉकी: भारत का विजयी आगाज, थाईलैंड को 11-0 से दी शिकस्त

हांगझोउ (चीन)। उदिता दुहान और ब्यूटी डुंग डुंग के दो-दो गोल की मदद से भारत ने महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में ं थाईलैंड को 11-0 से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उदिता ने 30वें और 52वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर जबकि डुंग डुंग ने 45वें और 54वें मिनट में गोल किए।

इन दोनों के अलावा भारत की तरफ से मुमताज खान (सातवें मिनट), संगीता कुमारी (10वें), नवनीत कौर (16वें), लालरेम्सियामी (18वें), थौदाम सुमन देवी (49वें), शिमला देवी (57वें) और रुतुजा दादासो पिसल (60वें) ने गोल दागे। वर्तमान में विश्व में नौवें स्थान पर काबिज भारत ने 30वें स्थान पर काबिज थाई टीम के खिलाफ पूल बी के मैच में हाफ टाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली थी। भारत को कुल नौ पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से पांच को उसने गोल में बदला। दूसरी तरफ थाईलैंड एक भी पेनल्टी कार्नर हासिल नहीं कर पाया। भारत ने शुरू से ही दबदबा बना दिया था। पहले क्वार्टर में मुमताज और संगीता के दो फील्ड गोल किए। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अधिक हमलावर तेवर दिखाये और तीन गोल दागकर अपनी बढ़त और मजबूत कर दी।

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025

लोकप्रिय गायिका श्रेया घोषाल उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी

मुंबई। बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका श्रेयस घोषाल आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। आईसीसी की तरफ से ये जानकारी दी गई। विश्व कप भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाना है। श्रेया घोषाल भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले भव्य उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। घोषाल ने टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है। विश्व कप की शुरुआत 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेले जाने वाले मैच से होगी। आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए टिकटों की जानकारी और मुख्य मनोरंजन योजनाओं का खुलासा किया है। इस साल का संस्करण सुलभता के मामले में एक नया मानक स्थापित करेगा, क्योंकि किसी भी आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए कीमतें रिकॉर्ड-कम होंगी। भारत में सभी लीग मैचों के टिकटों की कीमत पहले चरण में केवल 100 रुपये है।

आईसीसी ने घोषणा की कि प्रशंसकों के अनुकूल मूल्य निर्धारण का उद्देश्य खचाखच भरे स्टेडियम और उत्साही भीड़ सुनिश्चित करना है क्योंकि महिला क्रिकेट वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है। गूगल पे प्रशंसकों के लिए विशेष प्री-सेल टिकट एक्सेस के साथ प्रशंसकों को एक्शन के रोमांच का अनुभव कराएगा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

श्रॉफ की बागी 4 पर पहले दिन खूब बरसे नोट डेब्यू फिल्म से डबल ओपनिंग डे पर कमाई

टाइगर श्रॉफ,हरनाज संधू,सोनम बाजवा,संजय दत्त,सौरभ सचदेव,उपेंद्र लिमये,श्रेयस तलपड़े की फिल्म बागी 4 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। ए. हर्ष निर्देशित ये फिल्म करीब 200 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। फिल्म ने ठीक-ठाक एडवांस बुकिंग कर ली है और पहले दिन इसने उम्मीद के हिसाब से ही कमाई की हुई है। एक्शन फिल्म बागी फ्रेंचाइजी की पिछले फिल्में कामयाब रही हैं। साल 2016 में शुरू हुई इस फ्रेंचाइजी की ये फिल्म हिट रही और इसका दूसरा पार्ट यानी बागी 3 भी उससे भी आगे निकल गई। वहीं बागी 3 इन दोनों फिल्मों के जैसा जादू नहीं चला पाई। अब करीब 5 साल बाद इसका चौथा पार्ट रिलीज किया गया है। बागी 4 को लेकर फिलहाल क्रिटिक्स रिव्यू अच्छे नहीं मिले इसलिए फिलहाल इस फिल्म से अभी किसी तरह की उम्मीद नहीं की जा सकती। टाइगर श्रॉफ का किरदार रॉनी 7 महीने कॉमा के बाद जब वो होश में आता है अपने प्यार अलीशा यानी हरनाज संधू को उस हादसे में खोने के गम में वो डूब जाता है। हालांकि, हर कोई उसे ये बताता है कि उसकी कोई गर्लफ्रेंड नहीं थी और ये उसका बस वहम है। वहीं सेकंड हाफ में चाको यानी संजय दत्त की लव स्टोरी की भी कहानी है। हालांकि, बागी के अब तक के पैमाने के हिसाब से ये फिल्म तीनों फिल्मों की तुलना में सबसे नीचे दिख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये

फिल्म बागी 4 अपने ओपनिंग डे पर करीब 12 करोड़ रुपये की कमाई कर डाली है। हालांकि, एडवांस बुकिंग और फिल्म प्रिडिक्शन ये बता रहे थे कि फिल्म करीब 11-14 करोड़ के बीच कमाई पहले दिन करेगी। हां, फिल्म अगर लोगों को पसंद आती है तो हो सकता है कि कलेक्शन में आगे बढ़ोतरी दिखे।

मेट्रो बाजार

टाटा मोटर्स की बड़ी पहल, महिला कामगारों को सौंपी बेहद खास जिम्मेदारी

जमशेदपुर। जिन तकनीकी कामों में पहले महिलाओं की भागीदारी लगभग नहीं होती थी, अब उनमें भी उनका योगदान बढ़ने लगा है। टाटा मोटर्स ने इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए अपने जमशेदपुर स्थित प्लांट में एक ऐसा नया सेक्शन (असेंबली लाइन) शुरू किया है, जहां मोटर व्हीकल की असेंबलिंग और प्रोडक्शन की जिम्मेदारी पूरी तरह से महिला कामगारों की होगी। प्लांट-3 में बने नए सेक्शन की शुरुआत शुक्रवार को हुई। कंपनी ने इसे कार्यस्थल पर विविधता और लैंगिक समानता की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया है। देश के किसी भी मोटर प्रोडक्शन प्लांट में यह पहला प्रयोग है। बताया गया कि यहां गाड़ियों के इंजन से लेकर हर छोटे-बड़े पुर्जे को जोड़ने और तैयार करने का काम पूरी तरह महिलाओं की टीम संभालेगी। महिला कामगारों द्वारा संचालित किए जाने वाले इस नए सेक्शन का उद्घाटन प्लांट हेड सुनील तिवारी, टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह, डिवीजन हेड किरण नरेंद्रन और एचआर हेड प्रणव कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस नए सेक्शन के उद्घाटन के बाद प्लांट हेड सुनील तिवारी ने महिला कर्मचारियों से बातचीत की और उन्हें सुरक्षा और कामकाज से जुड़े अहम दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी को स्वस्थ माहौल बनाए रखते हुए अनुशासन और सुरक्षा को सबसे ऊपर रखना चाहिए।

जीएसटी सुधार उपभोग-आधारित विकास की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव : रिपोर्ट

नई दिल्ली। 22 सितंबर से लागू होने वाला वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में व्यापक बदलाव, उपभोग-आधारित रणनीतियों के माध्यम से विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बदलाव है, खासकर जब अप्रत्यक्ष कर प्रतिगामी प्रकृति के हैं, एक रिपोर्ट में कहा गया है। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजकोष को जीडीपी का 0.14 प्रतिशत नुकसान होने का अनुमान है और राज्यों को संभवतः इससे भी अधिक नुकसान होगा। हालांकि, क्षतिपूर्ति उपकर (जीडीपी का लगभग 0.5 प्रतिशत) के समाप्त होने से अर्थव्यवस्था में वास्तविक रूप से मांग में वृद्धि हुई है, जबकि उस राजस्व को राजकोषीय बजटीय प्रवाह के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी। रिपोर्ट के अनुसार, यह पूंजीगत व्यय पर उपभोग के लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय रोटेशन सिद्धांत को मजबूत करता है।रिपोर्ट में कहा गया है, इसी तरह, ऐसे कर परिवर्तनों से वार्षिक आधार पर घरेलू मांग में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.6 प्रतिशत से अधिक का इजाफा होगा और इससे एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो और इसी तरह के क्षेत्रों में (बड़े पैमाने पर) खपत को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार का अनुमान है कि जीएसटी परिवर्तनों के कारण शुद्ध राजस्व हानि 480 अरब रुपए (जीडीपी का 0.14 प्रतिशत) होगी, जिसमें सकल राजस्व हानि 930 अरब रुपए होगी, जबकि पाप/विलासिता कर की नई श्रेणी से 450 अरब रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। वित्त वर्ष 2024 के उपभोग को आधार मानकर स्थिर गणनाएं की गई हैं।

अभिनेत्री रीम शेख ने शेयर किया ग्लैमरस वीडियो, अदाओं से चुराया फैंस का दिल, मुस्कुराती दिखी कैमरे की ओर

मशहूर टीवी अभिनेत्री रीम शेख को तुझसे है राब्ता और फना: इश्क में मरजावां जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में देखा गया है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। पोस्ट किए गए वीडियो में रीम अनोखे अंदाज में नजर आ रही हैं, जो प्रशंसकों का ध्यान खींच रहा है। अभिनेत्री अलग-अलग स्टाइलिश पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वह कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराती हैं, तो कभी अपने बालों को संवारते हुए पोज देती हैं। उनकी यह अदा प्रशंसकों को खूब भा रही है।

रीम ने वीडियो में काले रंग का सूट पहना है। मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने सफेद रंग के झुमके पहने हैं, जो उनके लुक को निखार रहे हैं। अभिनेत्री ने वीडियो के बैकग्राउंड में जब तक है जानश् सॉन्ग ऐड किया। रीम ने वीडियो के साथ कैप्शन दिया, तेरी आंखों के सजदे में। वीडियो को देखकर प्रशंसक उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। कई यूजर्स कमेंट सेक्शन में तरह-तरह के इमोजी शेयर कर रहे हैं।

अभिनय और आकर्षक व्यक्तित्व से जीता दर्शकों का दिल

रीम शेख टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपने अभिनय और आकर्षक व्यक्तित्व से दर्शकों का दिल जीता है। उनके इस नए वीडियो ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह न केवल एक्टिंग, बल्कि सोशल मीडिया पर भी अपनी मौजूदगी से लोगों को प्रभावित करने का हुनर रखती हैं। यह वीडियो उनके प्रशंसकों के लिए एक खास तोहफा है, जो उनकी हर अदा को पसंद करते हैं। अभिनेत्री ने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में की थी। 6 साल की उम्र में ही रीम नीर भरे तेरे नैना देवी टीवी सीरियल में नजर आई थीं। इसके बाद वह मैं आजी और साहिब, ये रिश्ता क्या कहलाता हैश, श्खेलती है जिंदगी आंखमिचोली, और श्दीया और बाती हमश् जैसे कई टीवी शोज में नजर आईं थीं। वहीं, रीम अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चाओं का विषय रहती हैं।

तब क्यों याद नहीं आए अमर्त्य सेन?

दो दिन पहले भाजपा के वरिष्ठतम नेताओं में से एक डा.मुरली मनोहर जोशी ने 70 स्लाइडों का एक लंबा चौड़ा 'प्रेजेंटेशन' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक बैठक में दिया।

इस प्रेजेंटेशन का सार यह था कि भारत में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ रही है। नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. अमर्त्य सेन के आर्थिक माडल को भी डॉ.जोशी ने महिमामंडित किया। डॉ. अमर्त्य सेन के महिमामंडन के समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डा.मोहन भागवत व सर कार्यवाह दत्ताजी हौसबोले हाजिर थे। अमर्त्य सेन कौन हैं,क्या बोलते हैं और किस दिशा में विचार करते हैं,यह संघ से सहमत हर व्यक्ति को मालूम है। सरसंघचालक जी और सरकार्यवाह जी से एक ही मासूम सा प्रश्न है कि आप की सहमति रही होगी तभी तो वह प्रेजेंटेशन हुआ था।

आपको मोदी पसंद नहीं हैं,तो बदल क्यों नहीं देते? मोदी संघ के जीवनदानी प्रचारक हैं।उनके बारे में निर्णय तो आपको ही लेना है व आपके लिए तो यह चुटकी का काम है। याद रखिए अमर्त्य सेन के विचार पर आप सब ही हमें सिखाते थे कि अगर भारतीय अर्थव्यवस्था लेफ्ट की ओर जाती है तो पीछे कुछ नहीं बचेगा। खुद डाक्टर मुरलीमनोहर जोशी बीस सालों तक संसद में रहे। आठ साल तक केन्द्र में वरिष्ठ मंत्री रहे। तब तो इन्हें अमर्त्य सेन याद नहीं आये। आज ही क्यों, और उनको सुनने वालों में जो थे,उन्होंने यह सब सुन कैसे लिया?

-कमलेश पारे की फेसबुक वॉल से

अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक का बयान - भारत 'सॉरी' बोलेगा और डील करेगा

मिस्टर ट्रंप! अमेरिका ने भारत को 'खोया' नहीं, आपकी जिद में 'गंवा' दिया है

वाशिंगटन /नई दिल्ली, एजेंसी

बतौर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा कार्यकाल अमेरिका-भारत के रिश्तों को रसातल में पहुंचाने के लिए याद रखा जाएगा। उनकी जिद, अहंकार और झूठी शान ने न सिर्फ रिश्तों में खटास डाली है बल्कि कई दशक पीछे धकेल दिया है। जो रिश्ता पिछले बीस सालों में परमाणु करार, डिफेंस कोऑपरेशन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर से मजबूत हुआ था, वह अब ट्रंप के रवैये की वजह से अनिश्चितता' के दौर में है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक का हालिया बयान बताता है कि ट्रंप प्रशासन भारत से किस तरह बात कर रहा है। लुटनिक ने कहा कि भारत जल्द ही अमेरिका के सामने च्सॉरी' बोलेगा और ट्रंप की मेज पर डील रखेगा। वरना उसे 50% तक के टैरिफ झेलने होंगे। क्या कोई संप्रभु देश इस तरह की भाषा बर्दाश्त करेगा? भारत के लिए यह केवल व्यापार की बात नहीं, बल्कि गरिमा और संप्रभुता का सवाल है.

'सॉरी बोलो, वरना टैरिफ झेलो'

अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक ने शुक्रवार को खुलकर भारत को धमकी दी कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना और ब्रिक्स का हिस्सा बने रहना बंद नहीं करता तो 50% टैरिफ झेलना होगा। उनका कहना है कि भारत आखिरकार अमेरिका के सामने झुकेगा और ट्रंप से च्सॉरी' कहेगा। यह बयान साफ दिखाता है कि वॉशिंगटन अब रिश्तों को साझेदारी नहीं बल्कि दबाव की राजनीति से देख रहा है।

एससीओ की तस्वीर और ट्रंप का डर

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पीएम मोदी, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की एक पुरानी तस्वीर डालकर तंज कसा था कि अमेरिका ने भारत और रूस को छीन के हाथों खो दिया है। तस्वीर एससीओ समिट की बताई गई, जबकि असल में वह ब्रिक्स समिट की थी। यानी

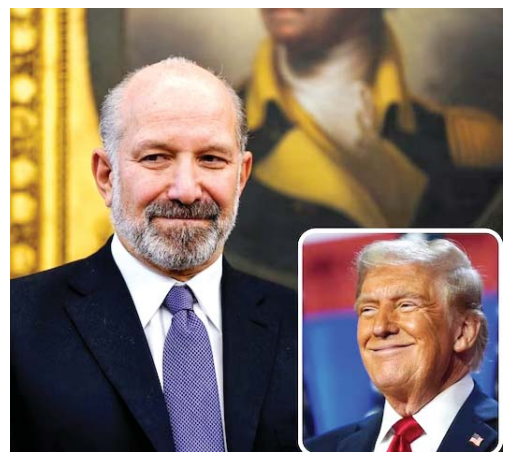

ट्रंप सिर्फ इमेजरी से यह दिखाना चाहते थे कि भारत अमेरिका से दूर जा रहा है। असलियत यह है कि भारत अपनी रणनीति में संतुलन रखता है, लेकिन ट्रंप की नजर में जो अमेरिका का साथ नहीं देता, वह च्खोया हुआ पार्टनर' है. भारत ने साफ किया कि ब्रिक्स या एससीओ जैसे मंचों में शामिल होना च्साइड चुनना' नहीं है। यह तो भारत की मल्टी-अलाइनमेंट स्ट्रैटजी का हिस्सा है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार

भारत और अमेरिका का व्यापार आज करीब 190 बिलियन डॉलर का है। यह रिश्ता दोनों को फायदा देता है, लेकिन ट्रंप इसे 'वन-साइडेड डिजास्टर' कहकर खारिज कर रहे हैं। उनकी शिकायत है कि भारत अमेरिकी सामान कम खरीदता है और रूस से सस्ता तेल ले रहा है। इसके लिए ट्रंप ने भारत पर 25% अतिरिक्त ड्यूटी थोप दी। सवाल है कि क्या भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और महंगाई नियंत्रण किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की मनमानी पर दांव पर लगा सकता है? जवाब साफ है- नहीं।

ट्रंप ने क्यों गंवा दिया भारत?

भारत अमेरिका के लिए सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि एशिया में चीन को संतुलित करने वाला सबसे बड़ा रणनीतिक सहयोगी है, लेकिन ट्रंप की धमकी और अपमानजनक लहजा इस रिश्ते की नींव हिला रहा है। उन्होंने भारत को च्वाक्ल बटन' कहकर ब्रिक्स में रूस-चीन के बीच रख दिया। उन्होंने भारत पर रूस का तेल खरीदने का आरोप लगाया, जबकि यह भारत की ऊर्जा जरूरतों का हिस्सा है। उन्होंने व्यापार घाटे को मुद्दा बनाकर रिश्ते में कड़वाहट घोली। इस सबका नतीजा यह हुआ कि भारत ने अमेरिका को नहीं 'खोया', बल्कि अमेरिका ने अपनी झूठी शान के चक्कर में भारत को गंवा दिया।

भारत को 'ग्राहक' बताकर नीचा दिखाया

लटनिक ने कहा कि 'कस्टमर हमेशा सही होता है' और भारत-चीन आखिरकार अमेरिका के 30 ट्रिलियन इकोनॉमी पर निर्भर रहेंगे। यह सोच बताती है कि अमेरिका भारत को बराबरी का पार्टनर नहीं बल्कि एक ग्राहक मानता है। भारत के लिए यह अपमानजनक रवैया है। भारत न तो कोई 'वॉवेल' है जो रूस और चीन के बीच भराव करे, और न ही केवल अमेरिकी बाजार पर निर्भर है।

ईगो की वजह से च्लॉस्ट अलायंस'

ट्रंप बार-बार कहते हैं कि भारत आखिरकार अमेरिकी बाजार का मोहताज है, लेकिन वह भूल जाते हैं कि भारत के पास विकल्प हैं- रूस से ऊर्जा, फ्रांस और इजरायल से डिफेंस, यूरोप से टेक्नोलॉजी और एशिया-प्रशांत देशों के साथ साझेदारी। भारत अब किसी एक देश पर निर्भर नहीं है, अगर अमेरिका ने दरवाजा बंद किया, तो भारत दूसरे दरवाजे खोल लेगा। यही अंतर है आज के भारत और 90 के दशक के भारत में।

हाइड्रोजन पर भारी न पड़ जाए बीड़ी बम, गाली कांड के बाद बिगड़ा विपक्ष का खेल!

पटना, एजेंसी

बिहार में विधानसभा चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और इस बीच राजनीतिक माहौल में हलचल मची हुई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की च्वोटर अधिकार यात्रा' और उनके हाइड्रोजन बम' वाले बयान ने जहां विपक्ष को एक नया नैरेटिव देने की कोशिश की, वहीं केरल कांग्रेस की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। इस पोस्ट में बिहार की तुलना च्बीड़ी' से की गई, जिसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने बिहार का अपमान बताकर कांग्रेस को घेर लिया। इसके साथ ही, दरभंगा में राहुल गांधी की रैली के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल ने विपक्ष के लिए और मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

राहुल गांधी का 'हाइड्रोजन बम'

राहुल गांधी ने अपनी च्वोटर अधिकार यात्रा' के समापन पर 1 सितंबर 2025 को पटना में एक रैली को संबोधित करते हुए 'हाइड्रोजन बम' का जिक्र किया। उन्होंने कहा, माधवपुरा में हमने एटम बम दिखाया था, अब बिहार में हाइड्रोजन बम दिखाएंगे। हाइड्रोजन बम के बाद नरेंद्र मोदी जी अपना चेहरा देश को नहीं दिखा पाएंगे। यह बयान च्वोट चोरी' के उनके आरोपों का हिस्सा था, जिसमें उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर वोटर लिस्ट में हेरफेर किया। राहुल के अनुसार बेंगलुरु साउथ की महादेवपुरा सीट पर 1 लाख से अधिक फर्जी वोटर थे, जिसे उन्होंने च्एटम बम' करार दिया। अब वह 48 अन्य सीटों, जिसमें वाराणसी भी शामिल है, पर इसी तरह के खुलासे की योजना बना रहे हैं।

राहुल के नैरेटिव पर फिरा पानी

राहुल का यह बयान बिहार में महागठबंधन (कांग्रेस, राजद और अन्य सहयोगी दलों) को एक नया सियासी मुद्दा देने की कोशिश थी। च्वोट चोरी' का नैरेटिव न केवल चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, बल्कि यह मतदाताओं में अविश्वास पैदा कर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास करता है। उनकी 16 दिन की 1300 किलोमीटर की यात्रा, जिसमें कई बड़े नेता जैसे तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खरगे और अखिलेश यादव शामिल हुए, का उद्देश्य था बिहार के मतदाताओं को उनके वोट के अधिकार के प्रति जागरूक करना और जाति जनगणना जैसे मुद्दों को उठाना। हालांकि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस बयान को हल्का और गैरजिम्मेदाराना करार दिया। मांझी ने तंज कसते हुए कहा- एटम बम से चींटी तक नहीं मरी, हाइड्रोजन बम का भी वही हाल होगा। प्रसाद ने इसे राहुल की गरिमा के खिलाफ बताया, जिससे साफ है कि भाजपा इस बयान को मुद्दा बनाकर विपक्ष को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रही है।

मॉस्को 2030: 'मानव शरीर संग्रहालय' से लेकर डिजिटल टेक्नोलॉजी की झलक

मॉस्को, एजेंसी। रूस में 'द टेरिटरी ऑफ द फ्यूचर: मॉस्को 2030' फोरम के तहत मॉस्को में इंसानी शरीर पर आधारित एक अनोखे संग्रहालय को देखते हुए विजिटर। 1 अगस्त से 14 सितंबर तक चलने वाले इस फेस्टिवल में लोगों को डिजिटल तकनीक, आर्थिक मॉडल, शहरी विकास, खेल और कलाओं की दुनिया में झांकने का मौका मिल रहा है। शहर के भविष्य को कल्पना व नवाचार के माध्यम से आकार देने की कोशिश में कई स्थानों पर ऐसी गतिविधियों का आयोजन जारी है।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दो युवकों की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार थाना क्षेत्र के प्रताप नगर में दो युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सुधीर उर्फ बंटी (35) और राधे प्रजापति (30) के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में दूर के भाई हैं और इलाके में ही पार्किंग का काम करते थे। पीड़ित परिवार के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब 7.15 बजे सुधीर और राधे घर के बाहर गली में बैठे थे। तभी कुछ लड़के आए और उन पर ताबड़तोड़ गोली चलाकर फरार हो गए। दोनों को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने कहा कि शुक्रवार शाम 7.15 बजे प्रताप नगर में फायरिंग की सूचना मिली। हर्ष विहार थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, तब तक घायलों को उनके परिजन अस्पताल ले जा चुके थे। क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। हर्ष विहार थाने में हत्या और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शुरुआती जांच में रंजिश की बात सामने आई है। डीसीपी ने बताया कि आरोपितों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमें गठित कर दी गई हैं। आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

वेनेजुएला ने 48 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी विध्वंसक पोत के आसपास सैन्य विमान उड़ाए

वाशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला ने दक्षिण अमेरिका के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में 48 घंटे में दूसरी बार विध्वंसक पोत यूएसएस जेसन डनहम के आसपास सैन्य विमान उड़ाए हैं। रक्षा विभाग के कई अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने इस कार्रवाई को मुहावरे की भाषा में मुर्गी का खेल बताया। सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह एफ-16 लड़ाकू विमान था। यह गुरुवार रात किसी समय डनहम के ऊपर से उड़ा। यह अज्ञात है कि विमान हथियारों से लैस था या नहीं।अधिकारियों ने बताया कि एजिस निर्देशित मिसाइल विध्वंसक डनहम ने कोई हमला नहीं किया। पेंटागन ने पहली घटना पर इसे बेहद भड़काऊ कदम बताया था। पेंटागन ने कहा था, हमारे मादक-आतंकवाद विरोधी अभियानों में हस्तक्षेप करने के लिए ऐसा किया गया। डनहम उन अमेरिकी युद्धपोतों में से एक है जिन्हें हाल के सप्ताहों में इस क्षेत्र में भेजा गया है। पेंटागन का कहना है कि इन्हें आपराधिक संगठनों और मादक पदार्थ-आतंकवाद को निशाना बनाने के लिए तैनात किया गया है।

युवती की मौत मामले में अस्पताल प्रबंधन-स्टाफ के खिलाफ पुलिस केस दर्ज

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अयोध्या नगर स्थित जिंदाल अस्पताल में इलाज के दौरान हुई एक युवती की मौते के मामले में पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन, ड्यूटी डाक्टर और अन्य स्टाफ के खिलाफ लापरवाही बरतने का केस दर्ज किया है। मर्ग जांच के दौरान खुलासा हुआ है कि युवती की मौत अस्पताल द्वारा की गई इलाज में लापरवाही के कारण हुई थी। फिलहाल इस मामले में किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार शालू यादव पुत्र हरिराम यादव (25) विकास नगर कालोनी, बैरसिया रोड की रहने वाली थी। बीती एक मई को घुटने के इलाज के लिए उसे अयोध्या नगर स्थित जिंदाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आपरेशन करने के बाद डॉक्टरों ने उसे आईसीयू वार्ड में रखा था। रात के समय अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और तड़के शालू ने दम तोड़ दिया। उस वक्त परिजनों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए काफी हंगामा भी किया था। मर्ग जांच के दौरान मृतका के परिजनों के कथन, शासकीय जयप्रकाश अस्पताल की मेडिकल समिति का अभिमत, एचडीयू वार्ड की सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पता चला कि शालू के इलाज में गंभीर लापरवाही बरती गई थी। इसके चलते पुलिस ने जिंदाल अस्पताल प्रबंधन, सर्जन डॉक्टर, ड्यूटी डाक्टर, नर्स और इलाज से जुड़े अन्य स्टाफ के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। रात बारह बजे तक मोबाइल चलाती रही शालू जांच के दौरान पता चला कि शालू को सुबह करीब ग्यारह बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शाम करीब पांच बजे उसका आपरेशन किया गया और सात बजे आईसीयू वार्ड में शिफ्ट किया गया। रात करीब बारह बजे तक शालू पूरी तरह से सामान्य थी और मोबाइल चला रही थी। वार्ड में उसकी मां भी मौजूद थी, जिनसे वह बातचीत कर रही थी। उसके बाद उसने पैर में दर्द की शिकाय की तो मां ने वार्ड में मौजूद स्टाफ को बुलाया। उसके बाद नर्स ने बॉटल में एक इंजेक्शन लगाया और बताया कि कुछ देर बाद दर्द कम हो जाएगा। उसके बाद ड्यूटी डाक्टर वार्ड में पहुंचे और शालू से बातचीत करने के बाद वापस लौट गए। रात करीब पौने एक बजे तक शालू और उसकी मां के बीच बातचीत होती रही।

चार महीने पहले इलाज में लापरवाही से हुई थी युवती की मौत

मेट्रो एंकर सांस लेना मुश्किल था, ऐसी अलमारी में छिपाकर रखी गई थीं लड़कियां

ऑर्केस्ट्रा बार में जिस्म का धंधा, अफसर रह गए दंग

ठाणे, एजेंसी

महाराष्ट्र में ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। काशीमीरा पुलिस ने टार्जन ऑर्केस्ट्रा बार पर छापा मारा। इस बार पुलिस ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा। इस कार्रवाई की खास बात यह है कि एक अलमारी में 5 लड़कियां मिलीं। इससे पुलिस भी हैरान रह गई। इस कार्रवाई की इस समय हर जगह चर्चा हो रही है। खास बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब ऐसी कार्रवाई की गई हो। कुछ दिन पहले भी ऐसी कार्रवाई की गई थी। मीरा-भायंदर में इस तरह के अवैध धंधे चलने की लगातार चर्चा हो रही थी। पुलिस कमिश्नर निकेत कौशिक की नियुक्ति के बाद से उन्होंने इन अवैध धंधों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। टार्जन ऑर्केस्ट्रा बार में भी ऐसी ही कार्रवाई की गई।

टार्जन ऑर्केस्ट्रा बार में छापा

पुलिस को एक गुप्त मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि टार्जन ऑर्केस्ट्रा बार में अवैध और अश्लील गतिविधियां चल रही हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने इस बार में छापा मारा। इस बार पुलिस के सामने चौंकाने वाली

जानकारी सामने आई। खास बात यह है कि बार में एक अलमारी में 5 लड़कियां छिपी हुई थीं। इसलिए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

21 लोगों को गिरफ्तार किया

पुलिस ने इस कार्रवाई में 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें 12 लड़कियों को छुड़ाया गया है। दरअसल 12 में से 5 लड़कियां इस बार में एक अलमारी में छिपी हुई पाई गईं। पुलिस ने खुद इस कार्रवाई की जानकारी दी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि बार में अवैध रूप से लड़कियों को रखा जा रहा है। इसके तहत पुलिस ने इस बार पर छापा मारा। इस दौरान पता चला कि संबंधित बार में अनैतिक और अवैध गतिविधियाँ चल रही थीं।

बटन दबाकर या लात मारकर खोला जा सकने वाला दरवाजा

पुलिस ने बार के हर कोने की जांच की। इसी दौरान पुलिस को एक दरवाजा दिखाई दिया। पुलिस ने जांच की तो एक तहखाने का दरवाजा बटन दबाने पर खुलता है। दरअसल, वह एक अलमारी निकली। इस अलमारी में 5 लड़कियां थीं। यह देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस ने सभी लड़कियों को सुरक्षित बचा लिया। इस अलमारी में सांस लेना मुश्किल था, लड़कियां ऐसी अलमारी में छिपी हुई पाई गईं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022